आषाढ़ शुक्ल - 11 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 11 ■ अंक - 348 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » बुधवार » 17-07-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 श्रीलंका के खिलाफ टी20 में हार्दिक पंड्या होंगे भारत के कप्तान

6 ट्रंप पर हमला विश्व भर में बढ़ते राजनीतिक नफरत का द्योतक

7 सोशल मीडिया ने मुझे स्क्रीन से परे एक पहचान दी : आराधना शर्मा

फर्स्ट टेक

संसद सत्र से पहले सरकार ने 21 को बुलाई सर्वदलीय बैठक

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने अगले सोमवार से शुरू हो रहे संसद के मॉनसून सत्र से पहले 21 जुलाई को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। संसदीय कार्य मंत्रालय ने एक बयान में सोमवार को यह जानकारी दी। बयान में कहा गया, ''संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू संसद के बजट सत्र से पहले संसद के दोनों सदनों में राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ बैठक करेंगे। यह सर्वदलीय बैठक 21 जुलाई, 2024 को सुबह 11 बजे संसदीय सौध स्थित मुख्य समिति कक्ष में आयोजित की जाएगी।'' सत्र आरंभ होने से पहले सभी दलों के सदन के नेताओं की इस पारंपरिक बैठक में पहली बार नेता प्रतिपक्ष के रूप कांग्रेस सांसद राहुल गांधी शामिल होंगे। तृणमूल कांग्रेस का कोई भी प्रतिनिधि इस बैठक में शामिल नहीं होगा क्योंकि पार्टी 21 जुलाई को शहीद दिवस के रूप में मनाती है।

रक्षा विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए नई सूची जारी

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने मंगलवार को 346 सैन्य हार्डवेयर की एक नई सूची की घोषणा की जिसमें रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण प्रणालियां और हथियार शामिल हैं। इन्हें एक निश्चित समय-सीमा के भीतर उनके आयात पर प्रतिबंध लागू होने के बाद केवल सरकार द्वारा संचालित घरेलू निर्माण इकाइयों से ही खरीदा जाएगा। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि घरेलू रक्षा उद्योगों को बढ़ावा देने के प्रयासों के तहत पिछले तीन वर्ष में 12,300 से अधिक वस्तुओं का स्वदेशीकरण किया जा चुका है। मंत्रालय ने कहा कि 346 वस्तुओं वाली पांचवीं सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची को अधिसूचित किया गया है और इन वस्तुओं का उत्पादन रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों (डीपीएसयू) द्वारा किया जाएगा।

सिप्ला को आयकर विभाग से 773 करोड़ रुपए का कर नोटिस

नई दिल्ली/भाषा। दवा कंपनी सिप्ला ने मंगलवार को कहा कि उसे आयकर विभाग से 773.44 करोड़ रुपये का कर नोटिस मिला है। यह कर मांग आकलन वर्ष 2015-16 से 2022-23 के लिए है। मुंबई की दवा विनिर्माता ने शेयर बाजार को बताया कि आयकर प्राधिकरण ने 12 जुलाई, 2024 के आदेश में कर निर्धारण और पुनर्मूल्यांकन के तहत विभिन्न खर्चों की अस्वीकृतियों के कारण कर की अतिरिक्त मांग की है। कंपनी ने बताया कि 773.44 करोड़ रुपये की मांग में उक्त किसी भी कर आकलन वर्ष का कोई रिफंड शामिल नहीं है।

अंतरराष्ट्रीय मानव तस्करी गिरोह के चार संदिग्ध सदस्य गिरफ्तार

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने नौकरियों का लालच देकर भारतीय युवाओं को तस्करी के माध्यम से विदेश भेजने के सिलसिले में चार प्रमुख आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मंगलवार को जारी एक सरकारी बयान में यह जानकारी दी गयी। बयान के अनुसार इन आरोपियों को सोमवार को गिरफ्तार किया गया और उनकी पहचान दिल्ली के मंजूर आलम उर्फ गुड्डू, बहादुरगढ़ (हरियाणा) के साहिल और आशीष उर्फ अखिल तथा सीवान (बिहार) के पवन यादव उर्फ अफरोज उर्फ अफजल के रूप में हुई है। एनआईए की जांच में खुलासा हुआ है कि ये लोग एक संगठित तस्करी गिरोह का हिस्सा हैं जो भारतीय युवाओं को आकर्षक नौकरी दिलाने का लालच देकर उन्हें तस्करी के माध्यम से दूसरे देशों में भेजता है।

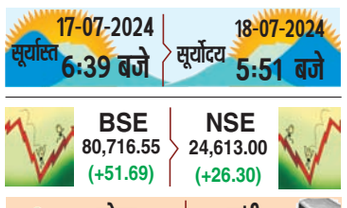

तमिलनाडु के पूर्व मंत्री

एम आर विजयभास्कर 100 करोड़ रुपए के भूमि घोटाले में गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के पूर्व मंत्री एम आर विजयभास्कर को करीब 100 करोड़ रुपये के भूमि घोटाले से जुड़े मामले में मंगलवार को केरल में गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि अपराध शाखा - आपराधिक जांच विभाग (सीबी-सीआईडी) ने विजयभास्कर को गिरफ्तार किया। विजयभास्कर पिछली अन्नाद्रमुक सरकार में परिवहन मंत्री थे। ऑल इन्डिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) महासचिव ई के पलानीस्वामी ने इस गिरफ्तारी की निंदा की और मामले को 'दीवानी' विवाद बताया।

पूर्व मुख्यमंत्री पलानीस्वामी ने कहा कि यह कार्रवाई 'राजनीतिक प्रतिशोध' के कारण की गई है। उन्होंने विश्वास जताया कि कानूनी लड़ाई में विजयभास्कर विजयी होंगे।

पुलिस ने बताया कि अन्नाद्रमुक नेता एवं पूर्व मंत्री को केरल में गिरफ्तार किया गया और उन्हें तमिलनाडु लाया गया। पुलिस के अनुसार यह मामला लगभग 100 करोड़ रुपये मूल्य की 22 एकड़ जमीन हड़पने के लिए कथित तौर पर दस्तावेजों की जालसाजी से संबंधित है। इस संबंध में, करूर के एक व्यवसायी और एक सब-रजिस्ट्रार ने पूर्व मंत्री और अन्य लोगों के खिलाफ पुलिस से शिकायत की थी।

जम्मू कश्मीरः डोडा में आतंकवादियों के साथ

मुठभेड़ में कैप्टन समेत सेना के चार जवान शहीद

जम्मू क्षेत्र में तीन हफ्तों में यह तीसरी बड़ी आतंकी घटना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। जम्मू कश्मीर के डोडा जिले में, पाकिस्तानी आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के हथियारों से लैस आतंकवादियों के साथ भीषण मुठभेड़ में एक कैप्टन समेत सेना के चार जवान शहीद हो गए। जम्मू क्षेत्र में तीन हफ्तों में यह तीसरी बड़ी आतंकी घटना है।

सोमवार रात हुए इस हमले से सप्ताह भर पहले कठुआ जिले में आतंकवादियों ने सेना के गश्ती वाहन पर घात लगाकर हमला किया था, जिसमें पांच जवान शहीद हो गए थे और इतनी संख्या में सैन्य कर्मी घायल हुए। इस हमले की जम्मू और अन्य क्षेत्रों में व्यापक निंदा की गई।

दार्जिलिंग के रहने वाले कैप्टन बृजेश थापा, आंध्र प्रदेश के नायक डोक्कारी राजेश, तथा राजस्थान के सिपाही बिजेन्द्र और अजय कुमार सिंह देसा वन क्षेत्र में हुई गोलीबारी में घायल हो गए थे। वहां राष्ट्रीय राइफल्स और जम्मू कश्मीर पुलिस के जवानों ने घेराबंदी और तलाश अभियान शुरू किया था।

मुठभेड़ के बाद, राष्ट्रीय राइफल्स और जम्मू कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह सहित सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों का सफाया करने के लिए देसा वन क्षेत्र में व्यापक अभियान शुरू किया।

हलवा समारोह

बजट दस्तावेज को अंतिम रूप देने का आखिरी चरण माना जाने वाला पारंपरिक हलवा समारोह मंगलवार को हुआ। इसके साथ वित्त वर्ष 2024-25 के बजट दस्तावेज को अंतिम रूप देने का काम शुरू हो गया है। बजट 23 जुलाई को लोकसभा में पेश किया जाएगा। इस समारोह में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण शामिल हुईं और उन्होंने परंपरा के तौर पर हलवा बांटा। यह हर साल होने वाला समारोह है जिसमें हलवा तैयार किया जाता है और बजट की तैयारी में शामिल रहे वित्त मंत्रालय के अधिकारियों और कर्मचारियों को परोसा जाता है। यह समारोह दिल्ली के नॉर्थ ब्लॉक के 'बेसमेंट' में आयोजित किया जाता है। यहीं पर प्रिंटिंग प्रेस है। वित्त मंत्रालय नार्थ ब्लॉक में ही स्थित है। इसमें वित्त मंत्री और अन्य उच्च पदस्थ अधिकारी शामिल हुए।

कांग्रेस को पिछड़े वर्ग का आरक्षण छीनकर मुसलमानों को नहीं देने देगें : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महेंद्रगढ़ (हरियाणा)/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कांग्रेस पर पिछड़ा वर्ग विरोधी होने का आरोप लगाया और दावा किया कि अगर विपक्षी पार्टी हरियाणा में सत्ता में आती है तो वह पिछड़ा वर्ग का आरक्षण छीनकर मुसलमानों को दे देगी।

शाह ने यहां 'पिछड़ा वर्ग सम्मान सम्मेलन' को संबोधित करते हुए अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को आरक्षण प्रदान करने के लिए 1950 के दशक में गठित काका कालेलकर आयोग का जिक्र किया और कहा कि कांग्रेस ने इसकी सिफारिशों को वर्षों तक लागू नहीं किया।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''1980 में (तत्कालीन प्रधानमंत्री) इंदिरा गांधी ने मंडल आयोग को ठंडे बस्ते में डाल दिया था। इसे 1990 में जब स्वीकार किया गया तो राजीव गांधी ने ढाई घंटे का भाषण दिया था और ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) आरक्षण का विरोध किया था।''

शाह ने कहा, ''कर्नाटक में कांग्रेस ने पिछड़े वर्गों से आरक्षण छीनकर मुसलमानों को दे दिया। अगर वे यहां (सत्ता में) आते हैं तो यहां भी ऐसा ही होगा।'' उन्होंने कहा, ''मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि हम हरियाणा में मुसलमानों के लिए आरक्षण की अनुमति नहीं देंगे। हम पिछड़े वर्गों के अधिकारों का संरक्षण करेंगे।''

शाह ने जोर देकर कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पूर्ण बहुमत के साथ हरियाणा में सरकार बनाएगी।

हरियाणा में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं।

गृह मंत्री ने कहा कि जब नरेन्द्र मोदी 2014 में प्रधानमंत्री बने थे तो उन्होंने कहा था कि उनकी सरकार दलितों, गरीबों और पिछड़े वर्गों की है। शाह ने कहा कि भाजपा ने देश को पहला मजबूत प्रधानमंत्री दिया है जो पिछड़े वर्ग से आते हैं। उन्होंने कहा कि देश के 27 केंद्रीय मंत्री पिछड़े वर्गों से हैं जिनमें दो हरियाणा से हैं। शाह का पिछले एक पखवाड़े में हरियाणा का यह दूसरा दौरा है। उन्होंने 29 जून को पंचकूला में पार्टी की विस्तारित राज्य कार्यकारिणी की बैठक के दौरान भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित किया था। शाह ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व वाली हरियाणा सरकार ने हाल में ओबीसी की 'क्रीमी लेयर' के लिए वार्षिक आय सीमा छह लाख रुपये से बढ़ाकर आठ लाख रुपये करने समेत तीन महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं।

कर्नाटक सरकार के कर्मचारियों के वेतन, पेंशन में 58.5 प्रतिशत की वृद्धि होगी : सिद्दरामय्या

वेतन और पेंशन में संशोधन, इस वर्ष एक अगस्त से लागू होगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने मंगलवार को कहा कि सातवें वेतन आयोग की सिफारिशों के अनुसार राज्य सरकार के कर्मचारियों के वेतन और पेंशन में एक जुलाई, 2022 से मूल वेतन में 58.5 प्रतिशत की वृद्धि होगी।

वेतन और पेंशन में संशोधन, इस साल एक अगस्त से लागू होगा और मकान किराया भत्ते में 32 प्रतिशत की वृद्धि होगी।

सिद्दरामय्या ने बयान में कहा कि आयोग की सिफारिशों के अनुसार, सरकारी कर्मचारियों के वेतन, वेतन-संबंधी भत्ते और पेंशन में एक अगस्त, 2024 से संशोधन किया जाएगा, जैसा कि 15 जुलाई को हुई कैबिनेट बैठक में निर्णय लिया गया था। उन्होंने कहा कि इसके अनुसार, एक जुलाई, 2022 तक कर्मचारी के मूल वेतन में 31 प्रतिशत महंगाई भत्ता और 27.50 प्रतिशत फिटमेंट जोड़कर वेतन और पेंशन को संशोधित किया जाएगा। बयान में कहा गया है, ''इससे कर्मचारियों के मूल वेतन और पेंशन में 58.50 प्रतिशत की वृद्धि होगी। मकान किराया भत्ते में 32 प्रतिशत की वृद्धि होगी।''

सिद्दरामय्या के अनुसार, ''कर्मचारियों का न्यूनतम मूल वेतन 17,000 रुपये से बढ़कर 27,000 रुपये हो जाएगा। अधिकतम वेतन 1,50,600 रुपये से संशोधित कर 2,41,200 रुपये किया जाएगा। कर्मचारियों की न्यूनतम पेंशन 8,500 रुपये से बढ़ाकर 13,500 रुपये और अधिकतम पेंशन 75,300 रुपये से संशोधित कर 1,20,600 रुपये की जाएगी।''

उन्होंने कहा कि यह संशोधन विश्वविद्यालयों के गैर-शिक्षण कर्मचारियों, सहायता प्राप्त शिक्षण संस्थानों और स्थानीय निकायों के कर्मचारियों पर लागू होगा।

नीट-स्नातक प्रश्नपत्र लीक :

सीबीआई ने मुख्य आरोपी समेत दो और लोगों को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली/भाषा। सीबीआई ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) का प्रश्नपत्र लीक होने के मामले में प्रमुख आरोपी सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया है।

अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि मुख्य आरोपी ने झारखंड के हजारीबाग में राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के ट्रंक से कथित तौर पर प्रश्नपत्र चुराया था।

उन्होंने बताया कि इन दो गिरफ्तारियों के साथ ही मेडिकल प्रवेश परीक्षा में लीक, प्रतिरूपण और अन्य अनियमितताओं से संबंधित मामलों में गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की कुल संख्या अब 14 हो गई है।

कल फिर खोला जाएगा पुरी रत्न भंडार

पुरी/भाषा। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) ने मंगलवार को कहा कि रत्न भंडार का आंतरिक कक्ष बृहस्पतिवार को फिर खोला जाएगा ताकि आभूषणों को मंदिर में स्थित अस्थायी कोषागार में स्थानांतरित किया जा सके। यह निर्णय मंगलवार को यहां एसजेटीए के मुख्य प्रशासक अरबिंद पाधी, रत्न भंडार को खोलने के दौरान देखरेख के लिए राज्य सरकार द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक समिति के अध्यक्ष न्यायमूर्ति विश्वनाथ रथ, पुरी के जिलाधिकारी सिद्धार्थ शंकर स्वैन और अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में हुई बैठक के दौरान लिया गया।

'सर तन से जुदा' नारा लगाने के मामले में खादिम सहित छह आरोपी बरी हुए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। अजमेर की एक अदालत ने 2022 में ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह के दरवाजे के सामने 'तन सर से जुदा' के विवादास्पद नारे लगाने के आरोपी सभी छह लोगों को मंगलवार को बरी कर दिया।

यह नारा निलंबित भाजपा नेता नुपुर शर्मा द्वारा 2022 में पैगंबर के खिलाफ की गयी कथित अपमानजनक टिप्पणी के बाद लगाया गया था।

सरकारी वकील गुलाम नजमी फारूकी ने बताया कि अदालत ने खादिम (सेवक) गौहर चिश्ती, ताजिम सिद्दीकी, फारूक जमाली, नासिर, रियाज हसन और मोईन को आज बरी कर दिया। उन्होंने कहा कि विस्तृत आदेश के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि अदालत ने किस आधार पर उन्हें बरी किया है।

फारूकी ने कहा कि आरोपियों को सभी आरोपों से बरी कर दिया गया है तथा अब आदेश की समीक्षा करने के बाद फैसले के खिलाफ अपील की जाएगी।

इस मामले की सुनवाई अजमेर के अतिरिक्त जिला न्यायाधीश (क्रमांक चार) की अदालत में चल रही थी।

फारूकी ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ अजमेर के दरगाह थाने में गैरकानूनी तरीके से एकत्र होने, दंगा करने,शांति भंग करने के लिए उकसाने समेत कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। दरगाह थाने के एक कांस्टेबल द्वारा दर्ज प्राथमिकी में उल्लेख किया गया है कि गौहर ने धार्मिक स्थल से लाउडस्पीकर पर गुस्ताखी ए नबी की एक ही सजा, सर तन से जुदा, सर तन से जुदा का नारा लगाकर लोगों को भड़काया था।

चंद्रमा पर मिली गुफा, भविष्य में खोजकर्ताओं के आश्रय के लिए हो सकेगा उपयोग : वैज्ञानिक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

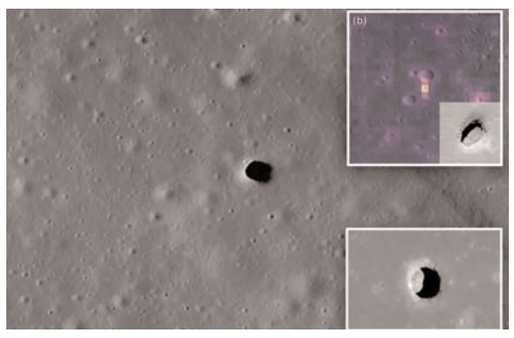

केप केनवरल (अमेरिका)/एपी। वैज्ञानिकों ने चंद्रमा पर एक गुफा का पता लगाया है जो उस स्थान से ज्यादा दूर नहीं है जहां 55 वर्ष पहले नील आर्मस्ट्रांग और बज एल्ड्रिन उतरे थे। वैज्ञानिकों का मानना है कि वहां ऐसी सैकड़ों और गुफाएं हो सकती हैं जिनका इस्तेमाल भविष्य में अंतरिक्ष यात्रियों के आश्रयस्थल के रूप में किया जा सकता है।

इटली के वैज्ञानिकों के नेतृत्व वाली एक टीम ने सोमवार को बताया कि चंद्रमा पर अच्छी खासी बड़ी गुफा के साक्ष्य मिले हैं। यह अपोलो 11 के उतरने वाली जगह से सिर्फ 250 मील (400 किमी) दूर 'सी ऑफ ट्रैंक्विलिटी' में है।

यह गुफा लावा ट्यूब (सुरंग की आकृति का ढांचा) के ढहने से बनी है जो कि वहां पाई गई 200 से अधिक अन्य गुफाओं की तरह है।

शोधकर्ताओं ने नासा के लूनार रीकानिसन्स ऑर्बिटर द्वारा जुटाए गए रडार आंकड़ों का विश्लेषण किया और इसके नतीजों की तुलना पृथ्वी पर स्थित लावा ट्यूब से की। इसके निष्कर्ष 'नेचर एस्ट्रोनॉमी' पत्रिका में प्रकाशित किए गए हैं।

वैज्ञानिकों के अनुसार रडार के आंकड़ों से गुफा के शुरुआती बिंदु का ही पता है। उनका अनुमान है कि यह कम से कम 40 मीटर चौड़ी और 10 मीटर, संभवत: इससे भी अधिक लंबी है।

ट्रेंटो विश्वविद्यालय के लियोनार्डो कैरर और लोरेंजो ब्रुजोन ने एक ईमेल में लिखा, ''चंद्रमा की गुफाएं 50 से अधिक वर्षों से रहस्य बनी हुई थीं। इसलिए, आखिरकार उनमें से किसी एक के बारे में पता लगाना काफी रोमांचक था।''

सरकार ने नीति आयोग का किया पुनर्गठन

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने नीति आयोग का पुनर्गठन किया है। नई सरकार बनने और मंत्रिपरिषद में कुछ नए मंत्रियों को जगह मिलने के बाद आयोग का पुनर्गठन किया गया है। आयोग के उपाध्यक्ष और पूर्णकालिक सदस्यों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। आयोग के अध्यक्ष प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हैं। कृषि और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान को आयोग का पदेन सदस्य और स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा को विशेष आमंत्रित सदस्य बनाया गया है। मंत्रिमंडल सचिवालय की तरफ से मंगलवार देर शाम जारी अधिसूचना के मुताबिक, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के अलावा भारी उद्योग और इस्पात मंत्री एच डी कुमारस्वामी और सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) मंत्री जीतन राम मांझी नीति आयोग में विशेष आमंत्रित सदस्य बनाए गए हैं।

स्पाइसजेट के सीएफओ आशीष कुमार ने दिया इस्तीफा, पोद्दार को कमान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। मुश्किलों से गुजर रही एयरलाइन स्पाइसजेट के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) आशीष कुमार ने अपनी नियुक्ति के दो साल से भी कम समय में कंपनी से इस्तीफा दे दिया है। स्पाइसजेट ने मंगलवार को बयान में कुमार के इस्तीफे की जानकारी देते हुए कहा कि 15 जुलाई से नए वित्त प्रमुख के तौर पर जॉयकेश पोद्दार की नियुक्ति की गई है। पोद्दार को उप मुख्य वित्त अधिकारी नियुक्त किया गया है।

कुमार को सितंबर, 2022 में एयरलाइन का सीएफओ नियुक्त किया गया था।

गुरुग्राम स्थित एयरलाइन में पोद्दार का यह दूसरा कार्यकाल होगा। स्पाइसजेट ने कहा कि पोद्दार ने गो फर्स्ट, महिंद्रा और रिलायंस जैसी कंपनियों के साथ वैश्विक सलाहकार फर्म पीडब्ल्यूसी के साथ विभिन्न पदों पर काम किया है।

सोमवार को स्पाइसजेट ने वित्त वर्ष 2023-24 की मार्च तिमाही में एकल आधार पर शुद्ध लाभ 118 करोड़ रुपये रहने की घोषणा की। हालांकि, समूचे वित्त वर्ष 2023-24 के लिए एयरलाइन को 409.43 करोड़ रुपये का घाटा उठाना पड़ा है।

उपलब्धि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के जाने माने समाजसेवी केके भंसाली के पौत्र ईशान कीर्तिराज भंसाली ने श्रीलंका में आयोजित वेस्टर्न एशियन यूथ चैस चैम्पियनशिप में 10 वर्ष की आयु वर्ग में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। ईशान ने क्लासिक व बिल्ट्ज चैस वर्ग में चौथा स्थान प्राप्त किया। श्रीलंका की प्रधानमंत्री दिनेश गुरुवर्धना ने एशियन चैस विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

भारत ने चागोस द्वीपसमूह मुद्दे पर मॉरीशस को पूर्ण समर्थन की पुष्टि की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पोर्ट लुईस/भाषा। भारत ने मंगलवार को चागोस द्वीपसमूह के मुद्दे पर मॉरीशस को अपना समर्थन दोहराया, जिसकी हिंद महासागर में स्थित द्वीपीय राष्ट्र ने तुरंत सराहना की। चागोस द्वीपसमूह के संबंध में भारत का स्पष्ट सार्वजनिक समर्थन विदेश मंत्री एस. जयशंकर द्वारा व्यक्त किया गया।

जयशंकर द्विपक्षीय संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने के लिए मॉरीशस के नेतृत्व के साथ बातचीत की खातिर दो दिवसीय यात्रा पर यहां आए हैं। ये द्विपक्षीय संबंध हिंद महासागर क्षेत्र के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण हैं। जयशंकर ने यहां प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जगन्नाथ के साथ एक कार्यक्रम में कहा, प्रधानमंत्री जी, जैसा कि हम अपने गहरे और स्थायी संबंधों को देखते हैं, मैं आज आपको फिर से आश्वस्त करना चाहूंगा कि चागोस के मुद्दे पर भारत उपनिवेशवाद के उन्मूलन और राष्ट्रों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के लिए अपने मुख्य रुख के अनुरूप मॉरीशस को अपना निरंतर समर्थन जारी रखेगा।

भारत भी एक समय ब्रिटेन का उपनिवेश था और संभवतः एक समान औपनिवेशिक अतीत से प्रेरित होकर मॉरीशस के विदेश मंत्री मनीष गोबिन ने तुरंत इस भावना का समर्थन किया। कार्यक्रम के तुरंत बाद गोबिन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, हम डॉ. जयशंकर के प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं कि उन्होंने चागोस द्वीपसमूह के संबंध में मॉरीशस को लगातार समर्थन दिया है, जो उपनिशेववाद के अंत, संप्रभुता, और क्षेत्रीय अखंडता पर भारत के सैद्धांतिक रुख के अनुरूप है। चागोस द्वीपसमूह 60 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्रफल में फैला 58 द्वीपों से बना एक प्रवालद्वीप समूह है, जो मॉरीशस के मुख्य द्वीप से लगभग 2,200 किमी उत्तर-पूर्व में और तिरुवनंतपुरम से लगभग 1,700 किमी दक्षिण-पश्चिम में स्थित है। मॉरीशस सरकार की वेबसाइट के अनुसार, चागोस द्वीपसमूह कम से कम 18वीं शताब्दी से मॉरीशस गणराज्य का हिस्सा रहा है, जब यह एक फ्रांसीसी उपनिवेश था और इसे आइल डी फ्रांस के नाम से जाना जाता था। उसमें कहा गया है, चागोस द्वीपसमूह और आइल डी फ्रांस का हिस्सा बनने वाले अन्य सभी द्वीपों को 1810 में फ्रांस ने ब्रिटेन को सौंप दिया था, जब आइल डी फ्रांस का नाम बदलकर मॉरीशस कर दिया गया था। ब्रिटिश शासन की पूरी अवधि के दौरान चागोस द्वीपसमूह का प्रशासन मॉरीशस के हिस्से के रूप में जारी रहा। 1965 में इसे मॉरीशस से अवैध रूप से अलग कर दिया गया। मॉरीशस ने विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर यह मुद्दा उठाया है। संयुक्त राष्ट्र महासभा का 2019 का प्रस्ताव है जो पुष्टि करता है कि चागोस द्वीपसमूह मॉरीशस का एक अभिन्न अंग है और मांग करता है कि ब्रिटेन छह महीने की अवधि के भीतर बिना शर्त चागोस द्वीपसमूह से अपना औपनिवेशिक प्रशासन वापस ले ले।

प्रेरणा शाह ने दी अपनी एकल कथक प्रस्तुति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

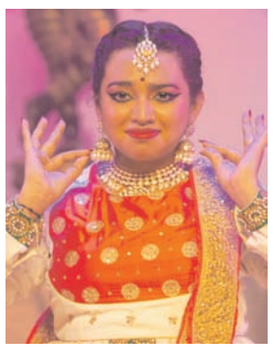

बेंगलूरु। होनहार और प्रतिभाशाली कथक नृत्यांगना और प्रसिद्ध अभिनव डांस कंपनी (एडीसी) की छात्रा प्रेरणा शाह द्वारा किदवई अस्पताल के प्रभात कलासंब्रम्हा में सोमवार को अपनी पहली एकल कथक प्रस्तुति व नृत्योललासा की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रसिद्ध योग गुरु राघवेंद्र शेनॉय, सम्मानित अतिथियों में आईजीएनसीए संपादक और सलाहकारआशीष खोकर व कन्नड़ फिल्म अभिनेता सीही काही चंद्रशेखर आदि उपस्थित थे।

गौरतलब है कि प्रेरणा विश्व प्रसिद्ध कथक जोड़ी गुरु निरुपमा राजेंद्र और गुरु टीडी राजेंद्र की शिष्या हैं।

महाराष्ट्र सरकार विशालगढ़ अतिक्रमण मुद्दे का समाधान करने के लिए कटिबद्ध : फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विशालगढ़ किले में अतिक्रमण के मुद्दे का कानूनी ढंग से समाधान करने की महायुति सरकार की प्रतिबद्धता पर मंगलवार को बल दिया। उनका यह आश्वासन इस ऐतिहासिक किले से अवैध ढांचों को हटाने के दौरान हाल में हुई हिंसा के बाद आया है। गृह विभाग का कामकाज भी संभाल रहे फडणवीस ने महाराष्ट्र के सभी किलों से अतिक्रमण हटाने के सरकार के निश्चय पर जोर दिया है।

फडणवीस ने संवाददाताओं से कहा, ''विशालगढ़ किले में अतिक्रमण एवं अवैध निर्माण एक पुराना मुद्दा है जो पूर्व राज्यसभा सदस्य छत्रपति संभाजीराजे द्वारा अवैध संरचनाओं के विरुद्ध कार्रवाई किये जाने के आह्वान के साथ फिर सामने आया है।'' पुलिस के अनुसार कोल्हापुर जिले के विशालगढ़ किले में रविवार को अतिक्रमण रोधी अभियान तब हिंसक हो गया जब भीड़ ने पुलिसकर्मियों पर पथराव किया और संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया। उसके बाद 21 लोगों को गिरफ्तार किया गया।

स्थिति उस समय तनावपूर्ण हो गई जब मराठा राजवंश से संबद्ध पूर्व सांसद संभाजीराजे छत्रपति के नेतृत्व में पुणे से आए कुछ दक्षिणपंथी कार्यकर्ताओं को निषेधाज्ञा के कारण किले के नीचे ही रोक दिया गया। मंगलवार को कोल्हापुर के सांसद छत्रपति साहू महाराज, विधानपरिषद सदस्य सतेज पाटिल (दोनों कांग्रेस नेता) समेत महा विकास आघाड़ी के नेताओं ने विशालगढ़ का दौरा किया। छत्रपति साहू ने सरकार से वहां शांति सुनिश्चित करने की अपील की। फडणवीस ने कहा, ''राज्य सरकार विशालगढ़ में शांति स्थापित करना चाहती है। हम विशालगढ़ और महाराष्ट्र के हर किले से कानूनी दायरे में रहकर अतिक्रमण हटाना चाहते हैं।''

सिंधिया ने अंबानी, मित्तल, अन्य के साथ दूरसंचार क्षेत्र के विकास पर चर्चा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मंगलवार को रिलायंस जियो के चेयरमैन आकाश अंबानी, भारती एयरटेल के संस्थापक तथा चेयरमैन सुनील भारती मित्तल और वोडाफोन आइडिया के प्रबंध निदेशक तथा मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अक्षय मूंदड़ा के साथ दूरसंचार उद्योग के लिए विकास की रूपरेखा तैयार करने पर विचार-विमर्श किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के तीसरे कार्यकाल में सिंधिया के साथ दूरसंचार क्षेत्र के दिग्गजों की यह पहली बैठक थी।

साथ ही मोबाइल दूरसंचार सेवाओं के शुल्क में 10-27 प्रतिशत की वृद्धि के बाद दूरसंचार प्रमुखों के साथ यह मंत्री की पहली बैठक थी। बैठक के दौरान सिंधिया ने उपभोक्ताओं और राष्ट्र के हितों को साधते हुए सहयोगात्मक तरीके से दूरसंचार क्षेत्र के विकास को बढ़ावा देने पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने कहा कि दूरसंचार मंत्रालय, दूरसंचार परिचालकों और इस क्षेत्र के अन्य भागीदारों के साथ चर्चा के दौरान चिन्हित मुद्दों पर तय समयसीमा के भीतर कार्रवाई योजना पर काम करेगा। उन्होंने अपने मंत्रालय की छह समितियों में से तीन के साथ बैठक की। बैठक के बाद सिंधिया ने संवाददाताओं से कहा, ''हमने इन समितियों के लिए एक गहन एजेंडा की पहचान की है। अब इन समितियों के सदस्य और हम मिलकर काम करेंगे।'' दूरसंचार सेवा प्रदाताओं की सलाहकार समिति की बैठक में उद्योग निकाय सेल्युलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के महानिदेशक एस पी कोचर भी मौजूद थे।

एटीएम में पैसे भरने वालों ने ही लूटी एटीएम, सभी गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। नगर पुलिस आयुक्त बी दयानंद ने एक पत्रकार वार्ता में बताया कि गत 6 जुलाई को हुई एक्सिस बैंक एटीएम चोरी के संदर्भ में पुलिस ने 5 जनों को गिरफ्तार किया है। बताया गया कि जुलाई माह में एक्सिस बैंक के एटीएम में पैसे भरने के लिए अनुबंधित कम्पनी एजीएस ट्रांससेक्ट टेक्नालॉजी (एजीएस)के 5 लोगों ने 6 जुलाई को कोरमंगला स्थित एटीएम में 16.5 लाख रुपए भरे थे तथा बाद में इन्हीं लोगों ने गैस कटर से इस एटीएम मशीन को काटकर इन रुपयों की चोरी कर ली थी।

पुलिस आयुक्त ने बताया कि गिरफ्तार लोगों में बेंगलूरु के स्कियोर वेल्यु इंडिया कम्पनी में कार्यरत राघवेन्द्र (30), एजीएस कम्पनी में कार्यरत पवन कल्याण (28), प्रताप (31), महेश (29) तथा धमेन्द्रर (48) शामिल है । इन गिरफ्तार लोगों के पास से 13.50 रुपए बरामद कर लिए गए है । पुलिस ने शिकायत दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

नकली चाबी बनाकर 19 लाख के टैब किए चोरी

बेंगलूरु। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार जयनगर के सिद्धापुर स्थित बीबीएमपी प्रायमरी हेल्थ सेन्टर में रखे 62 कम्प्युटर टैब की चोरी हो गई। बताया जा रहा है कि चोरों ने अलमारी की नकली चाबी बनाकर इस घटना को अंजाम दिया। यह 62 बिनोवा टैब सेन्टर में कार्यरत आशा महिला कार्यकर्ताओं को देना था। पुलिस ने बनशंकरी से श्रीनिवास (37) को गिरफ्तार किया है जिसकी इस घटना में संलिप्ता पाई गई। बताया जा रहा है कि इन टैब का अनुमानित मूल्य करीब 19 लाख रुपए है।

ओवैसी ने डोडा हमले को लेकर केंद्र पर निशाना साधा, सरकार आतंकवाद को काबू करने में विफल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। जम्मू कश्मीर के डोडा में हुई मुठभेड़ में चार जवानों की शहादत पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नीत सरकार पर निशाना साधते हुए एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार आतंकवाद को नियंत्रित करने में पूरी तरह विफल रही है। डोडा में सोमवार को आतंकियों के साथ मुठभेड़ में एक अधिकारी समेत चार जवान शहीद हो गए। हैदराबाद के सांसद ने इस घटना की कड़ी निंदा की और कहा कि इसकी पूरी जिम्मेदारी मोदी सरकार की है।

महिलाओं-बच्चों के खिलाफ अपराधों का पता लगाने की दर 98% रही: गोवा के मुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पणजी/भाषा। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने मंगलवार को राज्य विधानसभा में बताया कि गोवा पुलिस ने इस वर्ष महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हुए 98 प्रतिशत अपराधों का पता लगा लिया। सावंत भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक माइकल लोबो द्वारा अपने निर्वाचन क्षेत्र कलंगुट में एक वरिष्ठ नागरिक की हत्या का हवाला देते हुए लाए गए ध्यानाकर्षण प्रस्ताव का जवाब दे रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रविवार को कैंडोलिम गांव में एक वरिष्ठ नागरिक की उसके घर में हमलावर ने हत्या कर दी। आरोपी को पड़ोसी राज्य कर्नाटक से गिरफ्तार किया गया है। चर्चा के दौरान उन्होंने कहा कि सभी किराएदारों का पुलिस सत्यापन अनिवार्य कर दिया गया है। उन्होंने कहा, इस साल महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराध के 98 प्रतिशत मामलों का पता लगा लिया गया है। पीड़ितों में शिकायत दर्ज कराने के लिए आगे आने की जागरूकता है। सावंत ने कहा कि 2019 से महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों का पता लगाने की औसत दर 84 प्रतिशत रही है।

जल शोधन कंपनी एओ स्मिथ 'प्योरइट' का अधिग्रहण करेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। वैश्विक जल प्रौद्योगिकी कंपनी एओ स्मिथ कॉर्पोरेशन ने यूनिलीवर से प्योरइट का अधिग्रहण करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किया।

प्योरइट मुख्य रूप से भारत में आवासीय जल शोधन समाधानों की एक विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध कराता है। अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी केविन जे. व्हीलर ने बताया कि प्योरइट के अधिग्रहण के बाद प्रीमियम जल उपचार उत्पादों के एक वैश्विक आपूर्तिकर्ता के रूप में हमारी अग्रणी स्थिति अधिक मजबूत होगी एवं दक्षिण एशिया में हमारी बाजार पहुंच दोगुनी हो जाएगी। एओ स्मिथ इंडिया वाटर प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के अध्यक्ष पराग कुलकर्णी ने कहा, प्योरिट ब्रांड, जो अभिनव जल शोधन उत्पादों, मजबूत ब्रांड पहचान और ग्राहक सेवा के प्रति समर्पण के लिए जाना जाता है, एओ स्मिथ की भौगोलिक एवं चैनल उपस्थिति के अनुपूरक है। उपभोक्ता की जरूरतों और जल उपचार विशेषज्ञता के बारे में प्योरिट टीम की गहरी समझ से भारत में ए.ओ. स्मिथ को जबरदस्त समर्थन मिलेगा।

सरकार ने आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर का जिला प्रशिक्षण कार्यक्रम स्थगित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। सरकार ने मंगलवार को विवादास्पद आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर के जिला प्रशिक्षण कार्यक्रम को स्थगित कर दिया और उन्हें 23 जुलाई तक लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में रिपोर्ट करने को कहा गया है। महाराष्ट्र सरकार के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

खेडकर (34) सिविल सेवा परीक्षा में चुने जाने के लिए कपटपूर्ण तरीके का इस्तेमाल करने के आरोपों का सामना कर रही हैं। उन्होंने खुद को कथित तौर पर शारीरिक रूप से दिव्यांग और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समुदाय का बताया था। खेडकर पर पुणे में तैनाती के दौरान विशेषाधिकारों का दुरुपयोग करने का भी आरोप है। अधिकारी ने बताया कि अकादमी ने आगे की आवश्यक कार्रवाई के लिए उन्हें वापस बुलाने का फैसला किया है। महाराष्ट्र के अतिरिक्त मुख्य सचिव नितिन गदरे द्वारा लिखे गए पत्र में कहा गया है कि अकादमी ने खेडकर के जिला प्रशिक्षण कार्यक्रम को स्थगित करने का निर्णय लिया है तथा आगे की आवश्यक कार्रवाई के लिए उन्हें तत्काल वापस बुला लिया है। पत्र में कहा गया, ''आपको (खेडकर) महाराष्ट्र सरकार के जिला प्रशिक्षण कार्यक्रम से मुक्त किया जाता है। आपको किसी भी परिस्थिति में 23 जुलाई 2024 से पहले अकादमी में रिपोर्ट करने का निर्देश दिया जाता है।''

बीएमडब्ल्यू हिट एंड रन मामला

मुख्य आरोपी मिहिर शाह को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। बीएमडब्ल्यू 'हिट एंड रन' मामले के मुख्य आरोपी मिहिर शाह को यहां स्थित एक अदालत ने मंगलवार को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

बीएमडब्ल्यू कार से दोपहिया वाहन को टक्कर मारने के दो दिन बाद नौ जुलाई को 24 वर्षीय शाह को गिरफ्तार किया गया था। मुंबई के वर्ली इलाके में हुए इस हादसे में दोपहिया वाहन पर सवार एक महिला कावेरी नखवा (45) की मौत हो गई थी जबकि उसका पति प्रदीप घायल हो गया था। हिरासत अवधि समाप्त होने पर शाह को मंगलवार को मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट (शिवडी अदालत) एस.पी.भोसले की अदालत में पेश किया गया। पुलिस ने आरोपी की हिरासत देने का अनुरोध करते हुए दलील दी कि उसने उस व्यक्ति की जानकारी नहीं दी है जिसने फरार होने के दौरान शरण दी थी।

पुलिस ने सुनवाई के दौरान कहा कि उसने कथित तौर पर शाह द्वारा चलाई जा रही बीएमडब्ल्यू कार से हुए हादसे के समय वैध बीमा और प्रदूषण नियंत्रण (पीयूसी) प्रमाणपत्र नहीं होने की वजह से मोटर वाहन अधिनियम की अतिरिक्त धाराएं जोड़ी हैं। उसने बताया कि कार का काला शीशा होने की वजह से सुसंगत धाराएं भी जोड़ी गई हैं।

तिहाड़ जेल में बंद बीआरएस नेता के. कविता को डीडीयू अस्पताल ले जाया गया

नई दिल्ली/भाषा। धनशोधन के मामले में गिरफ्तार और फिलहाल दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की नेता के.कविता को मंगलवार को दीन दयाल उपाध्याय (डीडीयू) अस्पताल ले जाया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अकाल तख्त के समक्ष पेश होंगे शिअद प्रमुख सुखबीर बादल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। अकाल तख्त के जत्थेदार द्वारा सुखबीर सिंह बादल को बागी अकाली नेताओं के आरोपों पर स्पष्टीकरण के लिए तलब किये जाने के एक दिन बाद शिरोमणि अकाली दल (शिअद) प्रमुख ने मंगलवार को कहा कि वह एक धर्मनिष्ठ सिख के तौर पर सिखों के सर्वोच्च धार्मिक निकाय के समक्ष पेश होंगे। जत्थेदार ज्ञानी रघबीर सिंह ने सोमवार को बादल को अकाल तख्त के समक्ष व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर बागी नेताओं के आरोपों पर लिखित स्पष्टीकरण देने को कहा था कि वह पंथ की भावनाओं का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं।

बागी शिअद नेता एक जुलाई को अकाल तख्त के जत्थेदार के समक्ष उपस्थित हुए और 2007 से 2017 के बीच राज्य में शिअद सरकार के दौरान की गई 'गलतियों' के लिए माफी मांगी थी। जत्थेदार ने बादल से 15 दिन के भीतर स्पष्टीकरण देने को कहा था। शिअद अध्यक्ष बादल ने मंगलवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, एक धर्मनिष्ठ सिख होने के नाते मैं श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी महाराज और श्री अकाल तख्त साहिब के प्रति समर्पित हूं। बादल ने कहा कि अकाल तख्त के आदेश के अनुसार, वह पूरी श्रद्धा और विनम्रता के साथ अकाल तख्त के समक्ष उपस्थित होंगे।

रत्न-आभूषण निर्यात जून में 13.44 प्रतिशत घटकर 15,939.77 करोड़ रुपए रहा : जीजेईपीसी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। विदेशी बाजारों में मांग कमजोर पड़ने के बीच जून में भारत का कुल रत्न और आभूषण निर्यात सालाना आधार पर 13.44 प्रतिशत घटकर 15,939.77 करोड़ रुपये रह गया। रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी मांग कमजोर रहने से रत्नों एवं आभूषणों के निर्यात में गिरावट आई है।

जून 2023 के दौरान कुल रत्न और आभूषण निर्यात 18,413.88 करोड़ रुपये रहा था। जीजेईपीसी के पूर्व चेयरमैन और कामा ज्वेलरी के प्रबंध निदेशक कोलिन शाह ने कहा, रत्न और आभूषण निर्यात में यह गिरावट लंबे समय से चल रहे भू-राजनीतिक तनाव का नतीजा है। तनाव की वजह से वैश्विक बाजारों में आर्थिक अनिश्चितता पैदा होने से विदेशी बाजारों में मांग घटी है। जून में तराशे और पॉलिश किए गए हीरों का कुल निर्यात 25.17 प्रतिशत घटकर 8,496.87 करोड़ रुपये रह गया, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 11,354.67 करोड़ रुपये रहा था।

शाह ने कहा कि चीन से कमजोर मांग की इसमें अहम भूमिका रही है। तराशे और पॉलिश किए गए हीरों के निर्यात में अकेले चीन की हिस्सेदारी लगभग एक तिहाई है। हालांकि, कुल स्वर्ण आभूषण निर्यात पिछले वर्ष की समान अवधि के 4,699.56 करोड़ रुपये से 7.97 प्रतिशत बढ़कर 5,074.27 करोड़ रुपये हो गया। शाह ने कहा, वैश्विक बाजार में मजबूत मांग के बाद सोने के आभूषणों के निर्यात में तेजी आई है क्योंकि कीमतें वर्तमान में कम अस्थिर हैं। इसने उपभोक्ताओं को हालात का अधिकतम लाभ उठाने और निवेश के साथ आभूषण बनवाने के लिए सोना खरीद को प्रोत्साहित किया है।

केरल : उफनती नदी के बीच चट्टान पर फंसे चार लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पलक्कड़। केरल के पलक्कड़ जिले में उफनती चित्तूर नदी के बीच एक चट्टान पर फंसे एक बुजुर्ग और एक महिला सहित चार लोगों को अग्निशमन कर्मियों ने मंगलवार को एक अभियान के तहत सुरक्षित बाहर निकाल लिया। जलग्रहण क्षेत्रों में बारिश के बाद मूलथारा नियामक क्षेत्र से पानी छोड़ा गया, जिस कारण चित्तूर नदी का जलस्तर बढ़ गया।

अधिकारियों ने बताया कि केरल के ऊर्जा मंत्री कृष्णनकुट्टी तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और बचाव कार्य की कमान संभाली। उन्होंने बताया कि इसके बाद अग्निशमन कर्मियों ने बहादुरी दिखाते हुए एक अभियान शुरू किया, जिसके तहत वे सावधानीपूर्वक चट्टान तक पहुंचे और रस्सी को नदी के किनारे से जोड़ दिया गया। टीवी समाचार चैनलों पर प्रसारित दृश्यों में चट्टान पर फंसे हुए चार लोगों को जीवन रक्षक जैकेट पहनाते हुए दिखाया गया और उसके बाद अग्निशमन कर्मियों ने उन्हें बहने से बचाने के लिए रस्सी की मदद से सुरक्षित किनारे पर पहुंचाया।

मंत्री कृष्णनकुट्टी ने अग्निशमन कर्मियों को उनके निडर और साहसी अभियान के लिए बधाई दी। पलक्कड़ के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया गया था। अलर्ट के तहत 11 सेंटीमीटर (सेमी) से 20 सेमी तक की भारी बारिश की चेतावनी दी गई थी। नौकरी की तलाश में यहां पहुंचे कर्नाटक के मैसूरू के रहने वाले ये चारों लोग हालांकि चेतावनी से अनजान थे। वे नदी में उतर गए और अचानक जल स्तर बढ़ने के कारण फंस गए।

केरल में भारी बारिश के कारण मकान की दीवार गिरने से मां-बेटे की मौत

पलक्कड़/कोच्चि। मध्य और उत्तरी केरल के कई हिस्सों में जारी भारी बारिश के बीच सोमवार की रात को एक मकान की दीवार गिरने से एक मां और उसके बेटे की मौत हो गयी। पुलिस ने बताया कि यह घटना पलक्कड़ जिले में वडक्कनचेरी पुलिस थाना क्षेत्र के कोट्टेकड में हुई। मृतकों की पहचान सुलोचना (53) और उसके बेटे रंजीत (33) के रूप में की गयी है। पुलिस के अनुसार, जब मकान की दीवार गिरी तो उस समय दोनों सो रहे थे तथा उनकी मलबे में दबकर मौत हो गयी। स्थानीय लोगों ने मंगलवार की सुबह दोनों को मृत पाया। यह मकान पुराना था। अधिकारियों ने बताया कि केरल के मध्य और उत्तरी जिलों के कई इलाकों में पेड़ों के उखड़ने तथा मामूली भूस्खलन होने की घटनाएं दर्ज की गयी हैं। अधिकारियों ने बताया कि अतिरिक्त पानी छोड़ने के लिए मालंकारा और कल्लारकुट्टी बांध के द्वार खोल दिए गए हैं। उन्होंने पेरियार, मुथिराप्पुझा, थोडुपुझा और मुवाट्टुपुझा नदियों के किनारे रह रहे लोगों से सतर्क रहने का अनुरोध किया है।

केरल : 42 घंटे तक लिफ्ट में फंसे व्यक्ति ने लिखा भावुक संदेश

'मेरे हाथ-पैर सुन्न पड़ने लगे थे'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। तिरुवनंतपुरम में बीते सप्ताहांत एक बड़े राजकीय अस्पताल की लिफ्ट में 42 घंटे तक फंसे रहे 59 वर्षीय व्यक्ति ने कहा कि उस दौरान उन्होंने अपने परिवार के लिए अंतिम संदेश लिखकर उसे बैग में रख लिया था। उलूर निवासी रवींद्रन नायर ने बताया कि लंबे वक्त तक बगैर पानी के लिफ्ट में फंसे रहने के दौरान उनके हाथ-पैर सुन्न पड़ने लगे थे। नायर शनिवार को अस्पताल के बाह्य रोगी विभाग की ओर जा रहे थे कि तभी लिफ्ट बीच रास्ते में बंद हो गई और वह वहीं फंस गये।

उन्होंने बताया, मैंने लिफ्ट से बाहर निकलने की हरसंभव कोशिश की। नायर ने एक समाचार चैनल से कहा, मैंने लिफ्ट का दरवाजा खोलने की कोशिश की। जब मैंने दरवाजा खोला तो मुझे सिर्फ दीवारें ही दिखाई दीं। मैं हताश होकर लिफ्ट की दीवार को टक्कर मारने लगा। नायर ने बताया कि उन्होंने अपने मोबाइल फोन की टॉर्च की मदद से एक संदेश लिखा। उन्होंने कहा, मैं हिल-डुल नहीं पा रहा था, मेरे हाथ-पैर सुन्न पड़ने लगे थे...। उन्होंने समाचार चैनल से कहा, मुझे चिंता थी कि अगर मुझे कुछ हो गया तो मेरे बच्चों की पढ़ाई कैसे होगी।

उन्होंने कहा, मेरे पास पीने के लिए पानी नहीं था लेकिन मेरे पास मेरी लिखी कुछ कविताएं थीं, जो मेरे बैग में रखी हुई थीं। नायर ने मीडिया को बताया कि जब लिफ्ट संचालक ने सोमवार को काम पर वापस आकर लिफ्ट के दरवाजे खोले तो उन्हें अस्पताल का वह कर्मचारी भगवान का दूत लगा। इस घटना को लेकर लोगों ने रोष जताया, जिसके बाद केरल राज्य मानवाधिकार आयोग ने स्थानीय 'गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल' के अधीक्षक को घटना की विस्तृत जांच करने का निर्देश दिया। नायर शनिवार से सरकारी मेडिकल कॉलेज के ओपी ब्लॉक की लिफ्ट में फंसे हुए थे और जब ऑपरेटर सोमवार सुबह नियमित कामकाज के लिए लिफ्ट चालू करने आया तो उसने नायर को बाहर निकाला। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के मुताबिक, आयोग के कार्यवाहक अध्यक्ष और न्यायिक सदस्य के. बैजुनाथ ने अधीक्षक को 15 दिनों के भीतर विस्तृत जांच रिपोर्ट सौंपने और यह बताने का निर्देश दिया कि किसकी लापरवाही के कारण यह घटना हुई। केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने मंगलवार को नायर से मुलाकात की। नायर का यहां एक अस्पताल में उपचार किया जा रहा है। मंत्री ने मरीज और उनके परिवार को आश्वस्त किया कि इस घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मंत्री के कार्यालय ने एक बयान में कहा कि जॉर्ज ने मरीज का हालचाल पूछा और चिकित्सकों ने बताया कि उनकी स्थिति संतोषजनक है। नायर ने मंत्री का आभार जताया। जॉर्ज ने इस घटना के सामने आने के बाद तुरंत इसकी जांच के आदेश दिए थे। चिकित्सा शिक्षा निदेशक की अगुवाई में प्रारंभिक जांच के आधार पर अस्पताल के तीन कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया। मंत्री ने कहा कि इसकी विस्तृत जांच करायी जाएगी और फिर आगे कार्रवाई की जाएगी।

केरल की स्वास्थ्य मंत्री ने दो दिन तक लिफ्ट में फंसे रहे व्यक्ति से मुलाकात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने मंगलवार को उस व्यक्ति से मुलाकात की जो यहां गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में एक लिफ्ट में दो दिन तक फंसा रहा था।

उलूर निवासी रवींद्रन नायर शनिवार से सरकारी मेडिकल कॉलेज के ओपी ब्लॉक की लिफ्ट में फंसे हुए थे और जब लिफ्ट ऑपरेटर सोमवार सुबह को नियमित कामकाज के लिए लिफ्ट चालू करने आया तो उसने नायर को बाहर निकाला। इस घटना की काफी आलोचना हो रही है। जॉर्ज अस्पताल में नायर से मिलने पहुंचीं जहां उनका इलाज हो रहा है। मंत्री के कार्यालय ने एक बयान में कहा कि उन्होंने मरीज का हाल-चाल पूछा और चिकित्सकों ने बताया कि उनकी स्थिति संतोषजनक है। जॉर्ज ने मरीज और उसके परिवार को आश्वस्त किया कि इस घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। नायर ने मंत्री का आभार जताया।

जॉर्ज ने इस घटना के सामने आने के बाद तुरंत इसकी जांच के आदेश दिए थे। चिकित्सा शिक्षा निदेशक की अगुवाई में प्रारंभिक जांच के आधार पर अस्पताल के तीन कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया। मंत्री ने कहा कि इसकी विस्तृत जांच करायी जाएगी और फिर कार्रवाई की जाएगी।

तमिलनाडु : स्थानीय अदालत ने जाफर सादिक को तीन दिनों की ईडी हिरासत में भेजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई की एक अदालत ने द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के पूर्व नेता जाफर सादिक को धन शोधन के एक मामले में मंगलवार को तीन दिनों की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत में भेज दिया। प्रधान सत्र न्यायाधीश एस अली ने ईडी को सादिक की तीन दिन की हिरासत प्रदान की जबकि एजेंसी ने द्रमुक से बर्खास्त नेता की 15 दिनों की हिरासत का अनुरोध किया था। सादिक एक फिल्म निर्माता भी हैं।

स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) ने इस वर्ष मार्च में मादक पदार्थ तस्करी गिरोह के सिलसिले में सादिक को गिरफ्तार किया था, जिसके बाद ईडी ने उसके खिलाफ धन शोधन का मुकदमा दर्ज किया था। दिल्ली की एक अदालत ने हाल ही में सादिक को मादक पदार्थ तस्करी के मामले में जमानत दे दी थी।

तमिलनाडु : गृह सचिव और अन्य अधिकारियों का तबादला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने मंगलवार को नौकरशाही में फेरबदल करते हुए भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी एवं प्रमुख गृह सचिव पी. अमुधा और कई अन्य अधिकारियों का तबादला कर दिया। अमुधा की जगह धीरज कुमार को नियुक्त किया गया है, जो वर्तमान में सूचना प्रौद्योगिकी एवं डिजिटल सेवा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव हैं। कुमार को गृह, निषेध एवं आबकारी विभाग आवंटित किया गया है। अमुधा को राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की प्रधान सचिव नियुक्त किया गया है।

राज्य में दो नेताओं - बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के के. आर्मस्ट्रांग और मदुरै में नाम तमिलर काची के बालसुब्रमण्यम की हत्या के कुछ दिनों बाद यह फेरबदल हुआ है। सरकार ने ग्रेटर चेन्नई निगम आयुक्त डॉ. जे. राधाकृष्णन सहित कई अन्य वरिष्ठ अधिकारियों का भी तबादला किया है। राधाकृष्णन को डॉ. के. गोपाल के स्थान पर सहकारिता, खाद्य और उपभोक्ता संरक्षण विभाग का अतिरिक्त मुख्य सचिव नियुक्त किया है। लोक (विशेष) विभाग के एक आदेश के अनुसार, वरिष्ठ आईएएस अधिकारी कुमार जयंत को स्थानांतरित कर सरकार, सूचना प्रौद्योगिकी एवं डिजिटल सेवा विभाग का अतिरिक्त मुख्य सचिव नियुक्त किया गया है। स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव जे कुमारगुरुबरन चेन्नई नगर निगम में राधाकृष्णन की जगह लेंगे। इसी तरह कई जिलाधिकारियों का भी तबादला किया गया है।

मदुरै में एनटीके के पदाधिकारी की हत्या

मदुरै। तमिलनाडु के मदुरै में मंगलवार को एक अज्ञात गिरोह ने नाम तमिलर काची के एक वरिष्ठ पदाधिकारी की धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि पदाधिकारी बालसुब्रमण्यन सुबह टहल रहे थे तभी गिरोह ने उनका पीछा किया और उनकी हत्या कर दी। तमिल राष्ट्रवादी पार्टी नाम तमिलर काची (एनटीके) के मदुरै जिले के उप सचिव बालसुब्रमण्यन की हत्या, चेन्नई में बहुजन समाज पार्टी के राज्य प्रमुख के. आर्मस्ट्रांग की हत्या के कुछ दिनों बाद हुई है। हालांकि, पुलिस ने राजनीतिक कारणों से बालसुब्रमण्यन की हत्या की आशंका से इनकार किया है।

पार्टी के मुख्य समन्वयक सीमन ने हत्या की निंदा की और पुलिस से दोषियों को तुरंत गिरफ्तार करने का आग्रह किया। सीमन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन और उनके कार्यालय को टैग करते हुए कहा, अगर बालसुब्रमण्यन की मौत के लिए जिम्मेदार लोगों को तुरंत गिरफ्तार नहीं किया गया तो हम विरोध प्रदर्शन शुरू करेंगे।

उन्होंने कहा, मैं यह खबर सुनकर स्तब्ध हूं कि मदुरै उत्तर जिले के नाम तमिलर काची के उप सचिव भाई बालसुब्रमण्यन की हत्या कर दी गई। मैं इस जघन्य कृत्य के लिए अपराधियों की कड़ी निंदा करता हूं। बालसुब्रमण्यन के निधन पर दुख व्यक्त करते हुए सीमन ने शोक संतप्त परिवार और मित्रों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदनाएं व्यक्त की।

केरल सरकार 100 दिनों में 13,013 करोड़ रुपए की परियोजनाओं को लागू करेगी: विजयन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। केरल में वाम लोकतांत्रिक मोर्चा सरकार अपने कार्यकाल के तीन साल पूरे होने के अवसर पर 100 दिनों में 13,013.40 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं को लागू करेगी। मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने मंगलवार को यह घोषणा की।

उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं के 22 अक्टूबर तक पूरी होने की उम्मीद है। ये परियोजनाएं 100 दिवसीय कार्यक्रम के चौथे संस्करण का हिस्सा हैं। विजयन ने एक बयान में कहा कि नये 100 दिवसीय पहल में 47 विभागों की कुल 1,070 परियोजनाएं शामिल की गई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस सरकार के सत्ता में आने के बाद शुरू हुए 100-दिवसीय कार्यक्रम के चौथे संस्करण के पूरा होने से जनता के हित, सामाजिक प्रगति और व्यापक तथा सतत विकास सुनिश्चित होगा। उन्होंने कहा कि चुनाव घोषणापत्र में किए गए वादों से अलग इस पहल को शुरू किया गया है, ताकि उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया जा सके, जिन पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने कहा, इस पहल का उद्देश्य 100 दिनों के भीतर 47 विभागों में 13,013.40 करोड़ रुपये की परियोजनाओं को लागू करना है। इससे 2,59,384 रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है। विजयन ने कहा, निर्धारित अवधि के भीतर 706 परियोजनाओं को पूरा करने और उनका उद्घाटन करने तथा 364 अन्य को शुरू करने या घोषणा करने का निर्णय लिया गया है।

उत्तर कन्नड़ जिले में भूस्खलन में सात लोगों की मौत होने की आशंका

बेंगलूरु। कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले के शिरूर में मंगलवार को हुए भूस्खलन में एक परिवार के पांच सदस्यों सहित सात लोगों की मौत होने की आशंका है। अधिकारियों ने शुरुआती रिपोर्ट का हवाला देते हुए यह जानकारी दी। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग 66 पर सड़क किनारे एक छोटी दुकान चलाने वाले परिवार के सदस्यों के पहाड़ी से गिरी मिट्टी के नीचे दबे होने का संदेह है। सूत्रों ने प्रारंभिक जानकारी के आधार पर बताया कि भूस्खलन के कारण एक गैस टैंकर भी पास की गंगावली नदी में जा गिरा। उन्होंने बताया कि वाहन चालक और सहचालक लापता हैं। उन्होंने बताया कि हादसे के समय दोनों दुकान पर चाय पी रहे थे। एक पुलिस अधिकारी ने बताया, बचाव कार्य जारी है। विधानसभा में मुद्दा उठाते हुए कारवार से विधायक सतीश सैल ने कहा कि उन्हें जो रिपोर्ट मिली है उसके अनुसार भूस्खलन के बाद 10-15 लोग गंगावली नदी में गिर गए होंगे। राजस्व मंत्री कृष्ण बायरे गौड़ा ने सदन को बताया कि उन्होंने जिला प्रशासन से रिपोर्ट मांगी है और बाद में इस पर बयान देंगे।

डी.के शिवकुमार ने तमिलनाडु से मेकेदातु परियोजना में सहयोग करने की अपील की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के शिवकुमार ने कावेरी नदी पर मेकेदातु परियोजना के कार्यान्वयन को तमिलनाडु के लिए अधिक लाभकारी बताते हुए मंगलवार को पड़ोसी राज्य से इसमें सहयोग करने की भावुक अपील की। शिवकुमार ने यह भी उम्मीद जताई कि ईश्वर ने चाहा तो और कर्नाटक के कावेरी जलग्रहण क्षेत्रों में बारिश जारी रही, तो तमिलनाडु के लिए पानी छोड़ने में आ रही समस्याएं सुलझ जाएंगी।

उन्होंने तमिलनाडु से अपील की कि वह उसे मेकेदातु जलाशय बनाने की इजाजत दे, क्योंकि इसमें कर्नाटक से ज्यादा तमिलनाडु का हित है। उपमुख्यमंत्री ने कहा, हम जो भी भंडारण करेंगे, वो पानी हम आपको देंगे, हम उस पानी को वापस नहीं ले सकते। उन्होंने यहां संवाददाताओं से बात करते हुए कहा, कर्नाटक के लोगों की ओर से मेरी विनम्र अपील है, जहां सभी वर्ग - तमिल, कन्नड़, आंध्र और उत्तर भारत के लोग रहते हैं। यह बेंगलूरु में पीने के पानी के लिए है और यह आपके (तमिलनाडु के) लिए है। कृपया हमें मेकेदातु के लिए अनुमति दें, आपत्ति न करें, हम हर संभव तरीके से सहयोग करेंगे। मेकेदाटु एक बहुउद्देशीय परियोजना है, जिसमें कर्नाटक के रामनगर ज़िले में कनकपुरा के पास एक संतुलन जलाशय का निर्माण शामिल है। तमिलनाडु इस परियोजना का विरोध कर रहा है तथा आशंका जता रहा है कि यदि यह परियोजना मूर्त रूप लेगी, तो राज्य प्रभावित होगा।

कन्नड़ रंगमंच के वरिष्ठ कलाकार और फिल्म शख्सियत सदानंद सुवर्णा का निधन

मंगलूरु। कन्नड़ रंगमंच और फिल्म की जानी-मानी शख्सियत सदानंद सुवर्णा का मंगलवार को 92 वर्ष की आयु में उम्र संबंधी बीमारी के कारण निधन हो गया। परिवार के सूत्रों ने यह जानकारी दी। सुवर्णा ने कन्नड़ तुलु मंच पर सैकड़ों सफल नाटकों को कलमबद्ध और निर्देशित किया। वह 'घटश्रद्धा', 'कुबी' और 'इयाला' जैसी फिल्में और 'गुड्डे भुता' जैसे धारावाहिक के निर्माता रहे। वह मुंबई थिएटर में एक अभिनेता, नाटककार और प्रयोगमूलक निर्देशक के रूप में बहुत सक्रिय थे। वह कम उम्र में ही मंगलुरु थिएटर से जुड़ गए और यहां अपनी रचनात्मक प्रतिभा की स्वर्णिम छाप छोड़ी।

कर्नाटक सरकार ने हाल में उन्हें प्रतिष्ठित बी.वी कारंता पुरस्कार से सम्मानित किया था। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने अपने शोक संदेश में कहा कि वह वरिष्ठ रंगमंच अभिनेता और फिल्म निर्देशक-निर्माता सदानंद सुवर्णा के निधन की खबर सुनकर दुखी हैं। उन्होंने कहा, मैं सदानंद सुवर्णा के शिष्यों और प्रशंसकों के दुख में भी शामिल हूं, जिन्होंने उन्हें खो दिया है।

वाल्मीकि निगम और एमयूडीए घोटालों में शामिल हैं सिद्दरामय्या, इस्तीफा दें : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम और मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) में 'घोटालों' में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या की संलिप्तता का दावा करते हुए सोमवार को उनके इस्तीफे की मांग की। केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि सिद्दरामय्या को मामले में निष्पक्ष जांच के लिए तत्काल इस्तीफा देना चाहिए, क्योंकि उनके पास राज्य का वित्त विभाग भी है और वह दोनों निगमों में उनके इशारे पर हुई वित्तीय अनियमितताओं को 'रफा-दफा' करने की कोशिश कर रहे हैं।

करंदलाजे ने आरोप लगाया, उन्होंने (सिद्दरामय्या) न केवल वाल्मीकि विकास निगम से, बल्कि राज्य के हर निगम से पैसा लिया है। इसकी जांच होनी चाहिए।

सिद्दरामय्या के कहने पर वाल्मीकि विकास निगम से हैदराबाद को 187 करोड़ रुपये अवैध रूप से अंतरित किए गए। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और गरीबों के धन का इस्तेमाल तेलंगाना विधानसभा चुनाव के लिए किया गया। उन्होंने कहा, वह एमयूडीए भूमि घोटाले में भी शामिल हैं। सिद्दरामय्या की पत्नी को 50-50 के अनुपात वाली योजना के तहत भूखंड आवंटित किए गए और वह घोटालों को दबाने और रफा-दफा करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्हें तत्काल इस्तीफा देना चाहिए, ताकि निष्पक्ष जांच हो सके। केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि कर्नाटक 'कांग्रेस और उसके आलाकमान के लिए एटीएम' बन गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने चुनाव के दौरान राज्य के लोगों को जो गारंटी दी थी, उसके क्रियान्वयन के लिए अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति उप योजना निधि का इस्तेमाल किया जा रहा है। राज्य सरकार संचालित कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम लिमिटेड से जुड़ा कथित अवैध धन अंतरण घोटाला, तब प्रकाश में आया जब इसके लेखा अधीक्षक चंद्रशेखरन पी ने 26 मई को आत्महत्या कर ली और सुसाइड नोट में कथित भ्रष्टाचार का उल्लेख किया। सुसाइड नोट में निगम के बैंक खाते से 187 करोड़ के अनधिकृत अंतरण का आरोप लगाया गया है।

जम्मू कश्मीर के डोडा में आतंकी हमले में राजस्थान के दो जवान शहीद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के झुंझुनू जिले के भैसावता कलां गांव में उस समय मातम छा गया जब लोगों को पता चला कि गांव के सैनिक अजय सिंह जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमले में शहीद हो गए हैं। राज्य के झुंझुनू जिले के डूमोली कलां गांव में भी कमोबेश ऐसा ही माहौल है जहां के एक जवान बिजेन्द्र सिंह की शहादत हुई है। जम्मू-कश्मीर में डोडा जिले के डेसा में आतंकवादियों की ओर से की गयी गोली बारी में सेना के कैप्टन समेत चार जवान शहीद हो गए।

आतंकवादियों की गोलीबारी में कैप्टन बृजेश थापा, नायक डी. राजेश, सिपाही बिजेंद्र और सिपाही अजय शहीद हो गए। अजय और बिजेंद्र राजस्थान के झुंझुनू जिले के अलग-अलग गांवों के रहने वाले थे। अजय सिंह के रिश्तेदार गिरवर सिंह नरूका ने बताया कि वह उनके भाई का पोता था और सर्च ऑपरेशन के दौरान शहीद हो गया। उन्होंने कहा कि अजय सिंह के चाचा भी भारतीय

सेना में कार्यरत हैं और सेना मेडल से सम्मानित हैं।

उनके दोस्त पिंटू ने कहा, यह हम सभी के लिए गर्व का क्षण है कि उन्होंने देश की रक्षा के लिए शहादत दी है। साथ ही यह असहनीय दुख की घड़ी है कि मैंने भाई जैसा दोस्त खो दिया। एक ग्रामीण ने पत्रकारों को बताया कि लोग शहीद के घर पहुंचने लगे हैं। पार्थिव शरीर बुधवार को गांव पहुंचने की संभावना है। परिजनों और रिश्तेदारों के मुताबिक अजय छह साल पहले भारतीय सेना में भर्ती हुए थे। उनकी शादी 2021 में हुई थी और उनके पिता भी सेना से सेवा निवृत्त हैं ।

इस घटना में शहीद हुए राजस्थान के एक और जवान बिजेंद्र के चचेरे भाई ने बताया कि वह आखिरी बार इसी साल फरवरी में गांव आए थे। उन्होंने कहा, 'मेरा चचेरा भाई जम्मू-कश्मीर में शहीद हो गया है लेकिन हमें घटना के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा, हमें फोन कॉल के जरिए जानकारी मिली। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जवानों की शहादत को नमन करते हुए कहा कि उनकी संवेदनाएं शहीदों के परिजनों के साथ है। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, 'जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में आतंकियों द्वारा किए गए कायरतापूर्ण हमले में वीरगति को प्राप्त हुए भारतीय सेना के कैप्टन समेत चार जवानों की शहादत को कोटिशः नमन। मेरी संवेदनाएं शहीदों के परिजनों के साथ हैं।' पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कहा कि जवानों के बलिदान को हमेशा याद रखा जाएगा। गहलोत ने 'एक्स' पर लिखा, 'जम्मू-कश्मीर में डोडा जिले के डेसा में आतंकवादी हमले का बहादुरी से सामना करते हुए शहीद हुए झुंझुनूं जिले के बिजेन्द्र सिंह एवं अजय सिंह की शहादत को नमन करता हूं। देश एवं देशवासियों की सुरक्षा के लिए आपके द्वारा दिया गया सर्वोच्च बलिदान हमेशा याद रखा जाएगा। मैं इस दुख की घड़ी में ईश्वर से परिजनों को हिम्मत देने की कामना करता हूं।'

आयुर्वेदिक ज्ञान को आधुनिक आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित किया जाए : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि आयुर्वेद विश्वविद्यालय प्राचीन भारतीय आयुर्वेद चिकित्सकीय ज्ञान को पुस्तकों, शास्त्रों से बाहर लाने और आधुनिक आवश्यकताओं के अनुसार उसे विकसित करने की दृष्टि से कार्य करें। मिश्र मंगलवार को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर के सप्तम दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारतीय आयुष पद्धतियां, योग, प्राणायाम आदि प्रकृति से जुड़ा जीवन बचाने का ज्ञान है। नवीन अनुसंधानों ने इसे प्रमाणित किया है कि आयुर्वेद असाध्य रोगों में भी बहुत कारगर है । उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय आयुर्वेद के भारतीय विशिष्ट उत्पादों को पेटेन्ट करने में भी आगे बढ़े।

मिश्र ने कहा कि आयुर्वेद स्वास्थ्य से जुड़ा महती ज्ञान है। इसका उपयोग गरीब, जरूरतमंदों की निःस्वार्थ भाव से सेवा में किया जाये। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा आई.आई.टी. जोधपुर के साथ मिलकर आर्युटेक के माध्यम से आयुर्वेद के मनीषियों द्वारा बताये हुये यंत्रों के आधुनिकीकरण के लिये किये जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत 2047' के संकल्प की पूर्ति के लिये युवाओं को आगे आकर सहभागिता निभानी होगी। युवाओं से अपेक्षा है कि वे प्राचीन भारतीय आयुर्वेद के ज्ञान को आधुनिक परिप्रेक्ष्य में विकसित करते हुये भारत की इस महान विरासत के जरिये राष्ट्र को नयी दिशा दें। मिश्र ने आयुर्वेद शिक्षा से जुड़े युवाओं से अपनी श्रमशील, संयमशील, उद्यमशील एवं प्रबंधकीय क्षमता का भरपूर इस्तेमाल करते हुये आयुष पद्धति की भारतीय दृष्टि के उदात्तचरित की उत्तरोतर वृद्धि करके पूरे विश्व का नेतृत्व किये जाने पर जोर दिया।

उन्होंने विश्वविद्यालय के पंचकर्म विभाग के अंतर्गत 'अंतरराष्ट्रीय सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स' के निर्माण को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि इससे आयुर्वेद पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

उन्होंने भारत सरकार के आयुर्वेद के ज्ञान के वैश्विक प्रसार के लिये किये जा रहे कार्यों को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद न केवल चिकित्सा पद्धति है अपितु समग्र जीवन पद्धति है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने विश्वविद्यालय का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। मिश्र ने दीक्षांत समारोह में आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी, प्राकृतिक और योग संकाय के दो हजार 416 विद्यार्थियों को स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी की उपाधियां प्रदान की। उन्होंने विभिन्न संकायों की 10 छात्राओं को और एक विद्यार्थी को कुल 11 स्वर्ण पदक प्रदान किये।

वृक्षारोपण

एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत सीकर जिले की ग्राम पंचायत दौलतपुरा व कटराथल द्वारा आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में वृक्षारोपण करते पूर्व केंद्रीय मंत्री सुभाष महेरिया, प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच व जनप्रतिनिधि,पार्टी पदाधिकारी व समस्त ग्रामवासी।

मंत्री दिलावर के विरोध में विपक्ष के सदस्यों का हंगामा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में मंगलवार को भी विपक्ष के सदस्यों ने शिक्षा मंत्री मदन दिलावर का आदिवासियों पर उनकी टिप्पणी को लेकर उनके जवाब के दौरान जमकर हंगामा

किया जिससे उनका जवाब स्पष्ट सुनाई नहीं दिया। प्रश्नकाल में जब दिलावर विधायक छगन सिंह के प्रश्न 'आहोर विधानसभा क्षेत्र के उच्च प्राथमिक विद्यालयो का क्रमोन्नयन' का जवाब देने के लिए खड़े हुए तब नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली एवं डोटासरा सहित विपक्ष सभी सदस्य खड़े हो गए और दिलावर माफी मांगे और इस्तीफा दो के नारे लगाने लगे। जिससे सदन में शोरशराबा हुआ और दिलावर ने जो जवाब दिया वह सुनाई नहीं दिया। विपक्ष के सदस्यों ने कहा कि शिक्षा मंत्री जब तक माफ़ी नहीं मांग लेते उनका जवाब नहीं सूना जाएगा। बाद में अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अगला प्रश्न पुकारने पर मामला शांत हो गया। इसके बाद विधायक कल्पना देवी के प्रश्न 'जिला कोटा में पंचायतराज संस्थाओं में अग्रिम राशि का समायोजन' के जवाब के लिए जब दिलावर खड़े हुए तो फिर विपक्ष के सदस्यों ने हंगामा किया लेकिन दिलावर ने हंगामे के बीच ही विधायक के प्रश्न का जवाब दिया।

आहोर के उच्च प्राथमिक विद्यालयों को किया जायेगा क्रमोन्नत

राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि विधानसभा क्षेत्र आहोर के उच्च प्राथमिक विद्यालय, मिठडी, सुमेरगढ़खेडा, सेलडी एवं बागुन्दा को क्रमोन्नत करने के लिए पुनः प्रस्ताव प्राप्त होने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

दिलावर प्रश्नकाल में विधायक छगन सिंह राजपुरोहित के प्रश्न के जवाब में यह बात कही। उन्होंने बताया कि पूर्व में मानदण्ड पूरा नहीं करने के कारण इन्हें क्रमोन्नत नहीं किया गया था।

उन्होंने बताया कि विधानसभा क्षेत्र आहोर के उच्च प्राथमिक विद्यालय, मिठडी, सुमेरगढ़खेडा, सेलडी एवं बागुन्दा के क्रमोन्नत के लिए प्राप्त प्रस्तावानुसार इन विद्यालयों द्वारा विभागीय मानदण्डों को पूर्ण नहीं करने के कारण क्रमोन्नत नहीं किया जा सका। उन्होंने कहा कि पुन: प्रस्ताव प्राप्त होने पर मानदण्डानुसार आकलन किया जाकर ही उक्त विद्यालयों को क्रमोन्नत किये जाने की कार्यवाही की जा सकेगी।

नौ हजार करोड़ रुपए से सड़कों के निर्माण व नवीनीकरण का काम प्रस्तावित : दीया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सार्वजनिक निर्माण मंत्री दीया कुमारी ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि राज्य के

बजट 2024-25 में नौ हजार करोड़ रुपये की राशि से सड़कों का निर्माण, नवीनीकरण एवं उन्नयन किया जाना प्रस्तावित है। सार्वजनिक निर्माण मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्यों द्वारा इस सम्बन्ध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रही थीं। उन्होंने बताया कि सड़क निर्माण और नवीनीकरण में नियमानुसार सभी मानदंडों की पालना की जाती है।

इससे पहले कांग्रेस विधायक रोहित बोहरा के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में सार्वजनिक निर्माण मंत्री ने बताया कि राज्य में विभिन्न सड़कों के नवीनीकरण के मापदंड राजस्थान राज्य सड़क विकास नीति 2013 के अनुसार निर्धारित हैं। उन्होंने राजस्थान राज्य सड़क विकास नीति 2013 की प्रति सदन के पटल पर रखी। इस प्रश्न के उत्तर के दौरान बोहरा एवं मंत्री दीया कुमारी के बीच हल्की तनातनी भी हुई।

बोहरा के पूरक प्रश्न पर दीया कुमारी ने कहा कि 'आपने नवीनीकरण की तीन साल की लिस्ट मांगी है। तीन साल से तो आपकी कांग्रेस की ही सरकार थी, हम तो अब आए हैं।' इस इस पर बोहरा ने कहा- 'मैं यह नहीं पूछ रहा कि किसकी सरकार थी, तीन साल में कितनी सड़कों का अपग्रेडेशन-मरम्मत की, वह बताइए।'

राजस्थान कांग्रेस विधायक ने कहा, जनसंख्या नियंत्रण पर कानून का हम स्वागत करेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । भजन लाल शर्मा के नेतृत्व वाली बीजेपी शासित राजस्थान में विधानसभा सत्र चल रहा है। इस दौरान सदन के बाहर कांग्रेस विधायक हरिमोहन शर्मा ने कहा कि अगर कोई जनसंख्या नियंत्रण पर कानून लेकर आएगा तो हम उसका स्वागत करेंगे। कांग्रेस विधायक हरिमोहन शर्मा ने कहा, जनसंख्या नियंत्रण करने के लिए सरकार दो या तीन बच्चों का कानून लाए, लेकिन बीजेपी सरकार की मंशा कानून लाने के बजाय, अल्पसंख्यक समुदाय को टारगेट करना है।

उन्होंने आगे कहा कि संजय गांधी ने जनसंख्या नियंत्रण को लेकर एक बहुत बड़ा अभियान चलाया था। उस समय भैरों सिंह शेखावत जैसे बड़े नेता ने ये भाषण दिया था कि ये योजना गलत है। लेकिन बाद में वही भैरों सिंह ने अपने कार्यकाल के दौरान विधानसभा में अपने पुराने बयान को लेकर खेद प्रकट किया था।

कांग्रेस विधायक ने आगे कहा, भाजपा की वर्तमान सरकार राजनीतिक दृष्टिकोण से किसी वर्ग विशेष को टारगेट करने की बात करती है।

आज भी मुख्यमंत्री ने जनसंख्या वृद्धि को लेकर चिंता प्रकट की और अप्रत्यक्ष रूप से किसी एक समुदाय को टारगेट किया। उन्होंने आगे कहा कि आप इसको लेकर कानून लाइए लेकिन जो हिंदू अपने बच्चों को सात-सात हजार में बेच रहे हैं, मेहरबानी करके उनको तो बचा लीजिए।

उन्होंने कहा, अगर कोई जनसंख्या नियंत्रण का कानून लाता है, तो हम उसका स्वागत करेंगे। लेकिन इनकी मुख्य भावना जनसंख्या नियंत्रण से किसी समुदाय विशेष को टारगेट करने की है। ये कानून को जातिगत आधार पर मोड़ देना चाहते हैं, जो कि निंदनीय है। मैं मुख्यमंत्री से आग्रह करूंगा कि पहले हिंदू समाज और गरीब तबके के जो लोग हैं, जिनको दो वक्त की रोटी नहीं मिल पाती, उनकी चिंता करें।

जनसंख्या नियंत्रण कानून को लेकर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा, विधायक बालमुकुंद आचार्य नफरत फैला रहे हैं। जनसंख्या नियंत्रण को लेकर भाजपा मंत्रियों के बयान में ही विरोधाभास है। मंत्री खर्रा कह रहे हैं कि दो बच्चों का कानून ला रहे हैं, जबकि कानून मंत्री कह रहे हैं ऐसा कोई कानून नहीं ला रहे हैं।

पेपर लीक पर बोले नेता प्रतिपक्ष- हम मछलियों को पकड़ रहे हैं, मगरमच्छ अब भी खुले घूम रहे हैं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने आज विधानसभा में अपने भाषण में सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि इनके तो मंत्री ही 4 साल नहीं पकड़ पा रहे हैं, सरकार क्या कर रही है इसका अंदाजा इसी से लगा लीजिए। पेपर लीक के मामले पर बोलते हुए जूली ने कहा कि आज बच्चे पढ़ना चाहते हैं, आगे बढ़ना चाहते हैं पर यह पेपर लीक बच्चों को आगे बढ़ने से रोक रहा है, इस पर सदन की जिम्मेदारी बनती है कि हम सब मिलकर इस पेपर लीक का सफाया करें। उन्होंने कहा कि हमारे एक-दूसरे पर आरोप लगाने से उन बच्चों का भविष्य नहीं बन रहा है, जो जीवन में कुछ करना चाहते हैं।

टीकाराम जूली ने कहा कि जो पेपर लीक पर सबसे पहले और सख्त कानून बना, वह राजस्थान में हमारी सरकार ने बनाया, जिसके तहत 10 करोड़ का जुर्माना और आजीवन कारावास की सजा का प्रावधान रखा गया।

यदि मामले में सरकारी कर्मचारी लिप्त थे तो उन्हें नौकरी से बर्खास्त करने का प्रावधान रखा गया। केंद्र सरकार ने भी पेपर लीक पर कानून बनाया है पर वह राजस्थान सरकार के कानून के मुकाबले सिर्फ 10% ही है। हालांकि उससे कोई फर्क नहीं पड़ता, पेपर लीक रुकना चाहिए।

दूध की वैन लूटने के आरोप में मेडिकल के तीन छात्र गिरफ्तार, दो फरार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। शहर में दूध की एक वैन को लूटने के आरोप में एमबीबीएस के तीन छात्रों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि दो अन्य आरोपी फरार हो गए। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। शास्त्री नगर पुलिस थाने के प्रभारी (एसएचओ) देवेंद्र सिंह ने बताया कि दूध की वैन के चालक ने शिकायत दर्ज कराई है कि रविवार रात पांच लोगों ने उसे धमकाया, उसके साथ मारपीट की और उसकी वैन से दूध के कुछ डिब्बे और नकदी लूट ली।

उन्होंने कहा, हमने शांति भंग करने के आरोप में तीन छात्रों को गिरफ्तार कर लिया है। उन्हें अदालत में पेश किया जाएगा और फिर उनके खिलाफ लूट के आरोप में मामला दर्ज किया जाएगा।

सिंह ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान एमबीबीएस अंतिम वर्ष के छात्र विकास बिश्नोई (22), तीसरे वर्ष के छात्र महेश बिश्नोई (22) और ओम प्रकाश जाट (23) के रूप में हुई है। गिरफ्तार किए गए तीनों युवक यहां एस.एन मेडिकल कॉलेज के छात्र हैं। उन्होंने बताया कि भाग निकले अन्य दो आरोपी एस.एन. मेडिकल कॉलेज और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) जोधपुर के छात्र हैं।

पुलिस के अनुसार, छात्रों ने एमडीएम अस्पताल के गेट पर दूध की गाड़ी रोकी और ड्राइवर को बाहर आने को कहा। शिकायत में कहा गया है, जब चालक वाहन से बाहर आया, तो आरोपियों ने उसके साथ दुर्व्यवहार और मारपीट शुरू कर दी। तीन आरोपियों ने उसे वैन के पीछे धकेल दिया, जबकि दो अन्य केबिन में घुस गए और वाहन चालू कर ले गए।

अपनी शिकायत में चालक ने कहा कि आरोपियों ने उससे 4600 रुपये नकद भी छीन लिए। अधिकारी ने कहा, हम घटनास्थल पर पहुंचे और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों से घटना की पुष्टि की। आरोपियों की पहचान मेडिकल छात्रों के रूप में हुई। शिकायत मिलने पर पुलिस ने लूटी गई वैन की तलाश शुरू की और वैन लगभग पांच किमी दूर खड़ी मिली। उसमें से दूध के दो डिब्बे गायब हैं।

नगरीय विकास सम्बंधी बजट घोषणाओं का समय पर क्रियान्वयन करें प्रमुख शासन सचिव

जयपुर। नगरीय विकास व स्वायत्त शासन विभाग के प्रमुख शासन सचिव टी. रविकांत ने राज्य बजट घोषणाओं की समय पर गुणवत्तापूर्ण क्रियान्विति के लिये मंगलवार को स्थानीय निकाय विभाग मुख्यालय पर नगरीय विकास , स्थानीय निकाय तथा नगर नियोजन विभाग,जयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान आवासन मंडल, जयपुर नगर निगम , जयपुर मैट्रो, रूडसिको, आरयूआईडीपी, जेसीटीएसएलके अधिकारियों की बैठक ली तथा घोषणाओं की श्रेणी बनाकर समयवार लक्ष्य व उपलब्धि निर्धारित करने के निर्देश दिए।

टी.रविकांत ने चालू विधानसभा सत्र में विभाग सम्बंधी अनुदान मांग दिवस की पूर्व तैयारियों के भी निर्देश दिये। जिन घोषणाओं की पालना के लिए वित्तीय प्रबंधन किया जाना है उन कार्यों की पत्रावली 7 दिवस में वित्त विभाग को प्रस्तुत की जाए। उन्होंन 17-ए के लंबित प्रकरणों का अविलम्ब निस्तारण करने के भी निर्देश दिए।

कोटा में अमेरिकी महिला की मौत

कोटा। राजस्थान के जयपुर में उपचार के लिए ले जाते समय 78 वर्षीय एक अमेरिकी महिला की मौत हो गयी। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। टेक्सास की रहने वाली जैकलीन ऑस्टिन यहां शहर के नांता थानाक्षेत्र में 34 वर्षीय भरत जोशी के साथ ठहरी हुईं थीं। दोनों ने पिछले वर्ष अगस्त में शादी की थी। दोनों की दोस्ती फेसबुक के जरिए हुई थी। पुलिस के मुताबिक, महिला को बेहतर इलाज के लिए जयपुर ले जाया गया था, जहां सोमवार शाम को उनकी मौत हो गई। जोशी ने बताया कि जैकलीन पिछले वर्ष अगस्त में कोटा आईं थीं और दिसंबर में दोनों ने स्थानीय अदालत में शादी कर ली थी।

उन्होंने बताया कि जैकलीन अमेरिका में अपने परिवार के सदस्यों के संपर्क में भी थी। नांता थाने प्रभारी निरीक्षक नवल किशोर ने बताया कि सात जुलाई को महिला की तबीयत कथित तौर पर खराब हो गई थी और उन्हें शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

हार के डर से चुनाव नहीं करवा रही है भाजपा : डोटासरा

जयपुर। कांग्रेस प्रमुख गोविंद सिंह डोटासरा ने भाजपा पर पंचायती राज और नगर निकाय चुनाव नहीं कराने को लेकर विधानसभा में प्रेस से बात करते हुए कहा कि भाजपा हार के डर से इन चुनावों को टाल रही है। अगर आज चुनाव होते हैं तो कांग्रेस ही जीत हासिल करेगी, चाहे वह पंचायती राज के चुनाव हों, नगर निकाय के चुनाव हों या विधायकों के उपचुनाव। डोटासरा ने भाजपा पर जनप्रतिनिधियों की पावर को कमजोर करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा अधिकारियों को जिला प्रमुख और जिला उपप्रमुखों के पदों का अतिरिक्त प्रभार देकर जनप्रतिनिधियों के अधिकार खत्म करने का प्रयास कर रही है।

स्वागत

झुंझुनू में मंगलवार को पार्टी पदाधिकारीयो व कार्यकर्ताओं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी का स्वागत करते हुए।

असम में बाढ़ की स्थिति में सुधार, गृह मंत्री शाह और ओडिशा के मुख्यमंत्री ने की मदद की पेशकश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम में बाढ़ की स्थिति में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है, हालांकि 17 जिलों में पांच लाख से अधिक लोग अब भी जल त्रासदी से बेहाल हैं। आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को फोन कर स्थिति की जानकारी ली और केंद्र की ओर से हरसंभव मदद का आश्वासन दोहराया। शर्मा को ओडिशा के मुख्यमंत्री ने भी फोन कर चुनौतियों से निपटने के लिए पूर्वी राज्य की आपदा प्रबंधन प्रणाली का उपयोग करने का प्रस्ताव दिया। राजभवन के एक सूत्र ने बताया कि असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की और उन्हें बाढ़ की स्थिति से अवगत कराया। प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार स्थिति से निपटने और बाढ़ के प्रभाव को कम करने में राज्य सरकार को सशक्त बनाने के लिए उनके साथ है। सूत्र ने बताया कि मोदी ने राज्यपाल को पुनर्वास कार्य में राज्य सरकार की सहायता के लिए अपना समर्थन और सहायता देने का आश्वासन भी दिया। उन्होंने बताया कि कछार, कामरूप, धुबरी, मोरीगांव, गोलाघाट, डिब्रूगढ़, ग्वालपाड़ा, करीमगंज, शिवसागर, धेमाजी, नलबाड़ी, दारांग, कामरूप मेट्रोपोलिटन, विश्वनाथ, जोरहाट और माजुली में बाढ़ से 5,11,000 से अधिक लोग प्रभावित हैं। रविवार को 17 जिलों की 5.97 लाख की आबादी प्राकृतिक आपदा से प्रभावित थी। हालांकि नदियों का जल स्तर अब घटने लगा है। कछार में सबसे अधिक 1.08 लाख से अधिक और इसके बाद धुबरी में 81 हजार, नागांव में 76 हजार से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। राज्य में 100 से अधिक राहत शिविरों में लगभग 25 हजार विस्थापित लोग शरण लिए हुए हैं, जबकि 12 राहत वितरण केंद्रों में करीब चार हजार लोगों को भोजन और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। सोमवार को हुई तीन लोगों मौतों के साथ, इस साल अब तक राज्य में बाढ़, बिजली गिरने और तूफान आदि से 112 लोगों की जान जा चुकी है।

शिक्षकों के विरोध के बाद डिजिटल अटेंडेंस की व्यवस्था अगले आदेशों तक स्थगित

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश में डिजिटल हाजिरी दर्ज करने के आदेश को लेकर शिक्षक संगठनों के विरोध के बीच राज्य सरकार ने डिजिटल अटेंडेंस को अगले आदेशों तक स्थगित रखने का फैसला किया है। एक बयान में इसकी जानकारी दी गयी है। राज्य सरकार की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक डिजिटल हाजिरी के आदेश को लेकर जारी गतिरोध पर मंगलवार को मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग के अधिकारियों और शिक्षक संगठनों के प्रतिनिधियों के बीच बैठक हुई।

बैठक में शिक्षकों की समस्याओं और सुझावों को सुनने के लिए एक विशेषज्ञ समिति गठित करने का फैसला किया गया। यह समिति शिक्षकों की समस्याओं और सुझावों को सुनकर रिपोर्ट देगी। डिजिटल अटेंडेंस को अगले आदेशों तक स्थगित रखा जाएगा। समिति की रिपोर्ट के आधार पर आगे निर्णय किया जाएगा। बयान के मुताबिक इस समिति में शिक्षा विभाग के अधिकारी, शिक्षक संघ के सदस्य और शिक्षाविद शामिल होंगे। समिति शिक्षा के सभी आयामों पर विचार कर सुधार के लिए सुझाव देगी। इस दौरान मुख्य सचिव ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में बच्चों को गुणवत्तापरक शिक्षा उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। शिक्षा जगत में रूपांतरणकारी बदलाव लाने की जरूरत है। बच्चों को अच्छी शिक्षा दिये बगैर 2047 में देश को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य हासिल नहीं किया जा सकता।

मथुरा में 'मुड़िया पूर्णिमा' मेला और शोभायात्रा का सीधा प्रसारण होगा : महंत गोपाल दास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मथुरा (उप्र)/भाषा। मथुरा जिले में आषाढ़ पूर्णिमा के अवसर पर गोवर्धन कस्बे में लगने वाले 'मुड़िया पूर्णिमा' मेला और शोभायात्रा का सीधा प्रसारण होगा।

गोवर्धन स्थित गौड़ीय सम्प्रदाय की श्रीपाद् रघुनाथ दास गद्दी के महंत गोपाल दास ने मंगलवार को बताया कि श्रद्धालुओं की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है।

दास ने कहा ''गुरु पूर्णिमा पर्व पर शाम पांच बजे राधाकुण्डश्यामकुण्ड से मुड़िया शोभायात्रा प्रारंभ होगी। तब से परिक्रमा पूर्ण होने तक शोभायात्रा एवं मेले की गतिविधियों का सीधा प्रसारण किया जाएगा।'' उन्होंने बताया कि इस दौरान महाप्रभु मंदिर में विभिन्न आयोजन होंगे। पूर्णिमा से एक दिन पूर्व मुड़िया संत अपने सिर मुड़वाएंगे तथा पूर्णिमा के दिन 21 जुलाई को नगर के प्रमुख मार्गों से होकर कीर्तन करते हुए मानसी गंगा की परिक्रमा लगाएंगे।

महंत ने कहा ''जो श्रद्धालु गोवर्धन आकर ठाकुर जी के दर्शन नहीं कर सकते, वे घर बैठे मुड़िया शोभायात्रा के दर्शन कर सकेंगे।''

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गोवर्धन में संत सनातन गोस्वामी के शिष्य विगत साढ़े चार सदियों से भी अधिक पहले से, अपने गुरु के निर्वाणोत्सव पर सिर मुंडवा कर नगर परिक्रमा करते हैं। इस रस्म को यहां 'मुड़िया पूर्णिमा' अथवा 'मुड़िया पूनों' के नाम से भी जाना जाता है।

जानकारों के अनुसार, चैतन्य महाप्रभु के शिष्य संत सनातन गोस्वामी के वर्ष 1558 ईस्वी में इसी दिन देहावसान के पश्चात उनके शिष्यों द्वारा उनकी याद में सिर मुंडवा कर नगर परिक्रमा की गई थी। तब से यह परंपरा चली आ रही है। यह 466 वां वर्ष है जब इस रस्म का आयोजन किया जा रहा है।

ईडी ने बिहार काडर के आईएएस अधिकारी, पूर्व विधायक के परिसरों पर छापेमारी की

पटना/नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बिहार काडर के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी संजीव हंस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के पूर्व विधायक गुलाब यादव के खिलाफ धन शोधन मामले की जांच के सिलसिले में मंगलवार को बिहार, दिल्ली और पुणे में कई परिसरों पर छापेमारी की। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। हंस 1997 बैच के आईएएस अधिकारी हैं और वर्तमान में बिहार ऊर्जा विभाग के प्रधान सचिव के रूप में कार्यरत हैं। सूत्रों ने बताया कि एजेंसी यह छापेमारी धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत कर रही है और उसकी यह जांच भ्रष्टाचार एवं जबरन वसूली के आरोपों से जुड़ी है। उन्होंने बताया कि राज्य की राजधानी पटना में हंस और यादव के घरों सहित करीब 22 परिसरों पर छापेमारी की जा रही है। पटना पुलिस ने एक महिला से बलात्कार करने, ब्लैकमेल करने और उसे जान से मारने की धमकी देने के आरोप में पिछले साल जनवरी में हंस और यादव के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी। महिला ने स्थानीय अदालत का रुख किया था जिसने आदेश पर पुलिस ने यह शिकायत दर्ज की थी।

बिहार में वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी के पिता की उनके घर पर हत्या, दो हिरासत में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दरभंगा-पटना/भाषा। विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के प्रमुख मुकेश सहनी के पिता जीतन सहनी की बिहार के दरभंगा जिले में स्थित उनके पैतृक आवास पर मंगलवार को कथित तौर पर चाकू गोद कर हत्या कर दी गई। पुलिस ने इसकी जानकारी दी।

अपर पुलिस महानिदेशक (मुख्यालय) जितेंद्र सिंह गंगवार ने यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा, ''वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी के पिता जीतन सहनी (करीब 70) की अज्ञात अपराधियों ने चाकू गोद कर हत्या कर दी है, वारदात के समय घर में उनके अकेले होने की सूचना है।'' उन्होंने बताया कि हत्या की इस वारदात को संभवत: सोमवार की रात को अंजाम दिया गया, जिसकी जानकारी पुलिस को सुबह छह बजे मिली। उन्होंने बताया कि ऐसी जानकारी है कि जीतन अपने घर में अकेले ही रह रहे थे।

गंगवार ने बताया कि घटनास्थल के आसपास लगे कैमरों से प्राप्त सीसीटीवी फुटेज और मोबाईल टावर का भी हमलोग अवलोकन कर रहे हैं और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दो संदिग्धों को पूछताछ के लिए हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ की जा रही है।

अधिकारी ने बताया, ''उन्हें संदिग्ध स्थिति में वहां घूमते हुए पाया गया। हालांकि, मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि हिरासत में लिए गए लोगों की पहचान का खुलासा नहीं किया गया है।

गंगवार ने कहा, ''जांच में स्थानीय पुलिस की सहायता के लिए विशेष कार्यबल (एसटीएफ) की एक टीम को दरभंगा भेजा गया है। फोरेंसिक विशेषज्ञों और श्वान दस्तों को जांच में लगाया गया है।'' अधिकारी ने बताया कि मौके पर मौजूद वस्तुओं में कमरे के भीतर पाया गया तीन गिलास भी शामिल है, जिनमें कुछ तरल पदार्थ पाए गए हैं जिनकी जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि घर में तीन मोटरसाईकिल भी मिली है, जिसकी जांच की जा रही है के तीनो दोपहिया किसके हैं। घटनास्थल पर एक आलमारी मिली है, जो पहले कमरे में हुआ करती थी, वहां से कुछ रूपये और कुछ कागजात भी बरामद किये गये हैं । ये चीजों बाहर मिली हैं और इन सबकी जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि सहनी के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मृतक के सीने और पेट पर किसी तेज धार हथियार से हमला कर गहरे घाव किए गए हैं।

अंतरराज्यीय सिंचाई परियोजनाओं का विरोध करेगा ओडिशा : मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने कहा है कि ओडिशा लोगों के जीवन और आजीविका पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली अंतरराज्यीय सिंचाई परियोजनाओं का विरोध करेगा।

माझी ने सोमवार को ओडिशा में अंतर-राज्यीय सिंचाई परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए यह बात कही। बैठक में महानदी, बंसधारा और पोलावरम सहित ऐसी अन्य सिंचाई परियोजनाओं को लेकर ओडिशा, छत्तीसगढ़ तथा आंध्र प्रदेश जैसे पड़ोसी राज्यों के बीच चल रहे विवादों पर चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि ओडिशा के हित और राज्य के लोगों की आजीविका को बनाए रखना उनकी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने अधिकारियों को लोगों की आजीविका प्रभावित करने और राज्य के पर्यावरण को खतरे में डालने वाली ऐसी सभी परियोजनाओं का कड़ा विरोध करने के निर्देश दिए।

जल संसाधन विभाग की विकास आयुक्त सह अतिरिक्त मुख्य सचिव अनु गर्ग ने समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री के समक्ष इन परियोजनाओं से जुड़े तथ्य और आंकड़े प्रस्तुत किए।

छत्तीसगढ़ के साथ महानदी के पानी को लेकर विवाद है। पड़ोसी राज्य ने कथित तौर पर नदी के ऊपरी हिस्से में कुछ बांध बनाकर ओडिशा में पानी के मुक्त प्रवाह को अवरुद्ध कर दिया है। यह विवाद न्यायाधिकरण तक पहुंच गया है।

गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई के लिए शिक्षकों की समुचित संख्या में भर्ती ज्यादा जरूरी : मायावती

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष और उप्र की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने मंगलवार को राज्य सरकार को सलाह दी कि गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई के लिए डिजिटल हाजिरी से कहीं ज्यादा शिक्षकों की समुचित संख्या में भर्ती जरूरी है। बसपा प्रमुख ने मंगलवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा ''उत्तर प्रदेश के सरकारी स्कूलों में ज़रूरी बुनियादी सुविधाओं का घोर अभाव होने के कारण बदहाली की शिकायतें आम रही हैं, जिस पर समुचित बजटीय प्रावधान करके उन गंभीर समस्याओं का उचित हल करने के बजाय सरकार उस पर से ध्यान बंटाने के लिए केवल दिखावटी कार्य कर रही है। यह क्या उचित है?'' उन्होंने आरोप लगाया ''शिक्षकों की डिजिटल हाजिरी'' भी सरकार का ऐसा ही नया कदम लगता है जो जल्दबाजी में बिना पूरी तैयारी के ही थोप दिया गया है। मायावती ने इसी पोस्ट में सुझाव दिया ''इससे कहीं ज्यादा जरूरी है शिक्षकों की समुचित संख्या में भर्ती तथा बुनियादी सुविधाओं का विकास ताकि अच्छी, गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई सुनिश्चित हो सके।'' उप्र सरकार ने गत दिनों राज्य के प्राथमिक विद्यालयों में तैनात शिक्षकों की उपस्थिति के लिए डिजिटल हाजिरी के निर्देश दिए थे, जिसका शिक्षकों द्वारा विरोध किया जा रहा है।

त्रिपुरा में 'सरकार प्रायोजित आतंकवाद': कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने त्रिपुरा में हुई हालिया हिंसा को लेकर मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) तथा केंद्र सरकार पर निशाना साधा और दावा किया कि पंचायत चुनाव से पहले वहां ''सरकार प्रायोजित आतंकवाद'' को अंजाम दिया जा रहा है और ऐसा प्रतीत हो रहा है कि पूर्वोत्तर का यह राज्य भी मणिपुर जैसे संकट की तरफ बढ़ रहा है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने राज्य में पंचायत चुनावों की घोषणा के बाद ''सत्तारूढ़ दल द्वारा पार्टी कार्यकर्ताओं और कार्यालयों पर हाल की हिंसा और हमलों'' के संबंध में लोकसभा सदस्यों तारिक अनवर और गौरव गोगोई को त्रिपुरा में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी का पर्येवक्षक नियुक्त किया है। कांग्रेस प्रवक्ता अजय कुमार ने संवाददाताओं से बातचीत में भाजपा कार्यकर्ताओं को जन्मजात दंगाई करार दिया और दावा किया कि उनकी पार्टी के कार्यकर्ता त्रिपुरा में लगातार अन्यायपूर्ण और हिंसक स्थितियों का सामना कर रहे हैं। उनका कहना था, ''त्रिपुरा की भाजपा सरकार के तहत कांग्रेस कार्यकर्ताओं को निशाना बनाकर हमला किया जा रहा है। राज्य में कानून और व्यवस्था की चिंताजनक स्थिति है। सत्तारूढ़ दल ने आंखें मूंद रखी हैं।''

कुमार ने आरोप लगाया, ''मणिपुर और त्रिपुरा में सरकार प्रायोजित आतंकवाद को अंजाम दिया जा रहा है। सरकार इस देश को ऐसे कगार पर ले जा रही है, जहां से लौटना बहुत मुश्किल हो जाएगा। कांग्रेस के कार्यकर्ताओं पर लगातार हमले हो रहे हैं। मणिपुर की हिंसा से इनका मन नहीं भरा, इसलिए अब ये त्रिपुरा में भी वही हालात पैदा कर रहे हैं। ये पूरी तरह से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमित शाह की जिम्मेदारी बनती है।''

त्रिपुरा के धलाई जिले में दो समूह के बीच हुई झड़प में एक आदिवासी युवक की मौत के बाद बीते सप्ताहांत हिंसा भड़क गई थी। कई दुकानों में आग लगा दी गई थी और घरों को क्षतिग्रस्त कर दिया गया था, जिसके बाद अधिकारियों ने वहां निषेधाज्ञा लागू कर दी।

धलाई जिले के गंडतविसा में सात जुलाई को दो समूहों के बीच झड़प में 19 वर्षीय छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया था, जिसके बाद उसे जीबीपी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन शुक्रवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

टाटा समूह ने 27,000 करोड़ रुपये के सेमीकंडक्टर संयंत्र के लिए असम के साथ भूमि पट्टे का करार किया

मोरीगांव (असम)/भाषा। असम सरकार ने टाटा समूह के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत कंपनी को मोरीगांव जिले के जगीरोड में 27,000 करोड़ रुपये के सेमीकंडक्टर संयंत्र के लिए 170 एकड़ से अधिक जमीन पट्टे यानी लीज पर दी जाएगी। टाटा समूह बोर्ड के सदस्य रंजन बंदोपाध्याय और असम औद्योगिक विकास निगम (एआईडीसी) के प्रबंधक (तकनीकी) और परियोजना प्रभारी धीरज पेगु द्वारा उप-पंजीयक कार्यालय में 60 साल के पट्टे समझौते को अंतिम रूप दिया गया।

इस अवसर पर जिला आयुक्त (डीसी) देवाशीष शर्मा, कनिनिका ठाकुर, आशीष मिश्रा और अविनाश धाबड़े सहित टाटा समूह के अधिकारी मौजूद थे। सौदे पर हस्ताक्षर करने के बाद शर्मा ने कहा कि यह पूरे राज्य के लिए एक महत्वपूर्ण दिन है। हिंदुस्तान पेपर कॉरपोरेशन लिमिटेड की पूर्व साइट पर बनने वाली इस सुविधा से 30,000 से अधिक नौकरियों के सृजन की उम्मीद है, जिसका पहला चरण 2025 के मध्य तक चालू हो जाएगा। डीसी ने कहा, भूमि का हस्तांतरण पूरा हो चुका है। टाटा समूह की टीम ने हमें बताया है कि जल्द ही काम शुरू हो जाएगा।

गुरुग्राम: अस्पताल में कजाकिस्तान की महिला के साथ दुष्कर्म, एक गिरफ्तार

गुरुग्राम/भाषा। हरियाणा के गुरुग्राम में पुलिस ने कजाकिस्तान की 51 वर्षीय एक महिला के साथ दुष्कर्म के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार आरोपी ठाकुर सिंह (24) आर्टेमिस अस्पताल में कर्मचारी था। पुलिस ने बताया कि रविवार सुबह सिंह ने महिला के साथ कथित तौर पर दुष्कर्म किया। उसने बताया कि महिला को नौ जुलाई को अस्पताल में भर्ती कराया गया था और शनिवार को उसकी सर्जरी की गई। इसके बाद उसे अस्पताल के 'वार्ड' में भेज दिया गया, जहां उसकी बेटी भी थी। पुलिस ने बताया कि रविवार सुबह महिला की बेटी ने सिंह को मां के साथ देखा और उसने शोर मचाया। उसकी शिकायत के आधार पर सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया। अस्पताल के प्रवक्ता ने कहा कि वे अपने मरीजों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हैं तथा निष्पक्ष जांच के लिए अधिकारियों के साथ सहयोग करेंगे।

भाजपा के सत्ता से बेदखल होने तक संविधान पर खतरा बरकरार : अखिलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मंगलवार को कहा कि जब तक भाजपा केंद्र की सत्ता से बाहर नहीं हो जाती, संविधान पर खतरा बरकरार रहेगा। अखिलेश ने यह भी दावा किया कि लोकसभा चुनाव में जोरदार प्रदर्शन के बाद अब 2027 के विधानसभा चुनाव में सपा कार्यकर्ता भाजपा का सफाया करेंगे।

यादव ने पार्टी कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए मंगलवार को कहा, ''केन्द्र की सत्ता से भाजपा जब तक बेदखल नहीं होगी, तब तक भारत के संविधान पर खतरा बना रहेगा।'' उन्होंने कहा, ''केंद्र में भाजपा सरकार के रहते, न आरक्षण के प्रावधान बचेंगे और न ही सामाजिक न्याय मिलेगा। किसानों की आय दोगुनी नहीं होगी। नौजवानों की बेरोजगारी बनी रहेगी।'' यादव ने कहा, ''लोकसभा चुनावों में जनता ने भाजपा को सबक सिखाया है। अब भाजपाई एक-दूसरे को कोस रहे हैं।'' यादव ने फैजाबादअयोध्या लोकसभा सीट पर सपा द्वारा भाजपा को हराये जाने का जिक्र करते हुए कहा, अयोध्या के चुनाव नतीजे ने भारतीय राजनीति को एक नई दिशा दी है। अयोध्या की जनता के इस निर्णय से सारे देश का सम्मान बढ़ा है।

सहारनपुर में धार्मिक ग्रंथ पढाने वाले शिक्षक ने नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म किया, गिरफ्तार

सहारनपुर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले के सदर बाजार थाना क्षेत्र में धार्मिक ग्रंथ पढाने वाले एक शिक्षक (ट्यूटर) ने कथित तौर पर 15 वर्षीय नाबालिग छात्रा के साथ कई बार दुष्कर्म किया, जिसे गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने मंगलवार इसकी जानकारी दी।

पुलिस अधीक्षक (नगर) अभिमन्यु मांगलिक ने पीटीआई-भाषा से बताया कि थाना सदर बाजार क्षेत्र के रक्खा कालोनी निवासी अफजाल (28) नामक आरोपी एक नाबालिग छात्रा को धार्मिक ग्रन्थ पढाने के लिये उसके घर जाता था और उसने छात्रा से कई बार डराधमका कर कथित तौर पर दुष्कर्म किया।

श्रीलंका के खिलाफ टी20 में हार्दिक पंड्या होंगे भारत के कप्तान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। स्टार हरफनमौला हार्दिक पंड्या श्रीलंका के खिलाफ 27 जुलाई से शुरू हो रही तीन मैचों की टी20 क्रिकेट शृंखला में भारत के कप्तान होंगे ।

पंड्या निजी कारणों से अगस्त में होने वाली तीन मैचों की वनडे शृंखला नहीं खेलेंगे ।

बीसीसीआई के एक सीनियर सूत्र ने पीटीआई को बताया ,'' हार्दिक पंड्या भारतीय टी20 टीम के उपकप्तान थे । वह पूरी तरह फिट हैं और तीन मैचों की टी20 शृंखला के लिये उपलब्ध भी लिहाजा वह कप्तान होंगे ।''

रोहित शर्मा ने विश्व कप जीतने के बाद टी20 क्रिकेट को अलविदा कह दिया। टी20 शृंखला 27 से 30 जुलाई तक पल्लेकेले में खेली जायेगी जबकि वनडे दो से सात अगस्त तक कोलंबो में होंगे । टीम की घोषणा अगले कुछ दिन में होगी । अभी यह तय नहीं है कि उपकप्तान शुभमन गिल होंगे या सूर्यकुमार यादव ।

वनडे शृंखला के बारे में अधिकारी ने बताया कि पंड्या ने निजी कारणों से ब्रेक मांगा है और नियमित कप्तान रोहित शर्मा को इसकी जानकारी दे दी है । बीसीसीआई सचिव जय शाह ने साफ तौर पर कहा है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेलने पर सभी स्टार क्रिकेटरों को भी घरेलू क्रिकेट खेलना होगा । रोहित, विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह को छूट दी गई है । बीसीसीआई चाहता है कि बाकी सभी टेस्ट विशेषज्ञ अगस्त में दलीप ट्रॉफी का कम से कम एक मैच खेलें । इसके बाद टीम को बांग्लादेश और न्यूजीलैंड से टेस्ट शृंखला खेलनी है ।

बंगाल सरकार ओलंपिक खिलाड़ियों को उचित सम्मान और वित्तीय सहायता नहीं दे रही : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल सरकार पर राज्य के ओलंपिक खिलाड़ियों को उचित सम्मान और वित्तीय सहायता नहीं देने का आरोप लगाया और इसके लिए 'खैरात की राजनीति' और 'भ्रष्टाचार' को जिम्मेदार ठहराया। साथ ही पार्टी ने यह दावा भी किया कि इन खिलाड़ियों को नजरअंदाज कर धन का इस्तेमाल राजनीतिक आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए किया जा रहा है।

भाजपा के सूचना और प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने सोशल मीडिया मंच'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''बंगाल के ये प्रतिष्ठित रत्न 'बांग्लार मेये' और उनके दोषपूर्ण प्रशासन की व्यापक खैरात की राजनीति और बहुमुखी भ्रष्टाचार के कारण वित्तीय सहायता से वंचित हैं, जो हमारे मेहनती खिलाड़ियों की जीत और महत्वाकांक्षाओं का जश्न मनाने के बजाय राजनीतिक आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए धन का उपयोग करता है।'' मालवीय पार्टी संगठन में पश्चिम बंगाल मामलों के सह-प्रभारी भी हैं। भाजपा नेता ने इस क्रम में कुछ खिलाड़ियों के नाम भी गिनाए। इनमें वराह नगर के तीरंदाज अतनु दास, झाड़ग्राम की कलात्मक जिमनास्ट प्रणति नायक, नैहाटी की टेबल टेनिस खिलाड़ी सुतीर्था मुखर्जी, अनिवासी बंगाली गोल्फर अनिर्बान लाहिड़ी, मेदिनीपुर की गोला फेंक खिलाड़ी आभा खटुआ, कोलकाता के घुड़सवार अनुष अग्रवाल और कोलकाता की तीरंदाज अंकिता भक्त के नाम शामिल हैं। इनमें से कुछ खिलाड़ी आगामी पेरिस ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। मालवीय ने कहा कि उनकी असाधारण उपलब्धियों और भारत एवं बंगाल के लिए हासिल की गई प्रतिष्ठा के बावजूद, यह बेहद दुखद है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार उन्हें उनके भविष्य के प्रयासों के लिए आवश्यक सम्मान और वित्तीय सहायता देने में विफल रही है। उन्होंने कहा, ''प. बंगाल सरकार से आवश्यक समर्थन के अभाव में ये खिलाड़ी अन्य राज्यों से वित्तीय सहायता और प्रायोजन लेने के लिए मजबूर हैं।'' मालवीय ने कहा कि 'बांग्लार निजेर मेये' (बंगाल की अपनी लड़की) नीत प्रशासन बंगाल की आंतरिक क्षमता का गला घोंटने का दोषी है।'' उन्होंने कहा, ''यह जरूरी है कि हम इस अक्षम शासन के खिलाफ खड़े हों ताकि बंगाल की खोई हुई भव्यता को बहाल किया जा सके और हमारे खिलाड़ियों को सही पहचान व सम्मान दिलाया जा सके।''

सुविचार

मुझसे नफरत तभी करना, जब आप मेरे बारे में सब कुछ जानते हो, तब नहीं जब किसी से कुछ सुना हो।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

यह कैसा शांतिकाल?

जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में गंभीर रूप से घायल होने के बाद एक अधिकारी समेत सेना के चार जवानों का शहीद होना देश के लिए बहुत बड़ा नुकसान है। भारत माता के ये सपूत फर्ज की राह में कुर्बान हो गए, लेकिन अब 'गुनहगारों' को सख्त सज़ा देने के साथ ऐसी रणनीति पर काम करना होगा, जिससे आतंकवादी हमलों का सिलसिला खत्म हो। अगर हमें सरहद पार बैठे आतंकवादियों के आकाओं के मंसूबों को समझना है तो पिछले एक साल में हुए ऐसे हमलों पर गौर करना होगा। कभी हमले में एक जवान घायल हुआ या शहीद हो गया। कभी हमले की तीव्रता ज्यादा हुई तो संख्या दो से तीन तक पहुंच गई। उसके बाद फिर तीव्रता बढ़ाई गई तो हमारे लगभग आधा दर्जन जवान शहीद हो गए। हमें इस मंसूबे के पीछे छिपी साजिश को समझना बहुत जरूरी है। भारत से कई युद्धों में मात खाने के बाद पाकिस्तान भलीभांति समझ चुका है कि वह आमने-सामने की लड़ाई में नहीं जीत सकता। वह भाड़े के आतंकवादियों को आगे कर हमले कर रहा है, जो 'ब्लीड इंडिया विद ए थाउजैंड कटस' साजिश का हिस्सा है। इसके तहत पाकिस्तान चाहता है कि भारत पर थोड़े-थोड़े अंतराल में छोटे-छोटे हमले किए जाएं, जिनमें जान-माल का नुकसान होता रहे। वह जानता है कि अगर उसने उरी या पुलवामा जैसे हमले का दुस्साहस किया तो तुरंत जवाब आएगा, वह भी भरपूर ताकत के साथ! इसलिए तुलनात्मक रूप से 'छोटे' हमले कर रहा है। यह कहने को तो शांतिकाल है, लेकिन हमारे वीर जवानों के शहीद होने का सिलसिला जारी है! तो फिर कैसी शांति और कैसा शांतिकाल? इसका सीधा-सा मतलब यह है कि पाकिस्तान ने लड़ाई का तरीका बदल दिया है, जिससे दुनिया को यह भ्रम है कि भारत के साथ उसके संबंध कुछ शांतिपूर्ण हैं, एलओसी पर सैनिक एक-दूसरे पर गोलाबारी नहीं कर रहे हैं, जबकि भारतीय जवान शहीद होते जा रहे हैं।

बेशक किसी इन्सान की जान को धन से नहीं आंका जा सकता। जिस परिवार का कोई सदस्य दुनिया से चला गया, उसकी भरपाई रुपए और जायदाद से नहीं की जा सकती। हमें यह भी समझना होगा कि जब सेना एक जवान को तैयार करती है तो उस पर कितनी मेहनत करनी होती है! इसमें देश का समय, श्रम, संसाधन और कौशल लगता है। जब कोई जवान वर्दी पहनकर, हाथ में बंदूक लिए अपनी ड्यूटी पर जाता है, तो उसके पीछे उसकी वर्षों की मेहनत तो होती ही है; देश का समय, श्रम, संसाधन और कौशल भी होता है। अगर एक जवान भी शहीद हो जाता है तो देश बहुत कुछ गंवा देता है। वहीं, एक नफरती विचारधारा का गुलाम और चंद नोटों के लिए अपना ईमान बेच चुका सिरफिरा आतंकवादी किसी मुठभेड़ में मरता है तो उसके आकाओं को कोई खास नुकसान नहीं होता है। उनके पास ब्रेनवॉश किए गए लोग पहले से तैयार होते हैं। वे किसी आतंकवादी को इसलिए नहीं भेजते, ताकि वह सही-सलामत लौटकर आए। वे उसे भेजते ही इसलिए हैं, ताकि वह किसी गोली का निशाना बन जाए। उसका खात्मा होने के बाद परिजन को न तो कोई पेंशन देनी होती है, न अन्य परिलाभ का कोई प्रावधान होता है। यह तो उनके लिए बहुत सस्ता सौदा होता है। बेशक आतंकवादियों का खात्मा होना चाहिए, लेकिन इसी से शांति कायम होने वाली नहीं है। लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद, हिज्बुल मुजाहिदीन जैसे संगठन महज मुखौटा हैं। उनके पीछे पाकिस्तान की फौज और आईएसआई हैं। जब तक एलओसी पार पाकिस्तानी फौज की पोस्ट नहीं उड़ाई जाएंगी, उसके जवानों पर सीधे प्रहार नहीं किया जाएगा, आतंकवादी हमले होते रहेंगे। अब भारत को सख्ती दिखानी होगी। आतंकवादियों का संहार करना ही है। उसके साथ 'असल गुनहगारों' को भी सबक सिखाना है। यह संदेश देना होगा कि भारत को नुकसान पहुंचाकर कोई व्यक्ति कहीं भी सुरक्षित नहीं रह सकता।

ट्वीटर टॉक

जम्मू-कश्मीर में फिर से हुए कायराना आतंकी हमले में देश की रक्षा करते शहीद हुए जवानों को विनम्र श्रद्धांजलि। केंद्र सरकार की गलत नीतियों के कारण आज जम्मू-कश्मीर में आतंकी घटनाओं का लगातार बढ़ना देश की सुरक्षा के लिए अत्यंत चिंता का विषय है।

-अशोक गहलोत

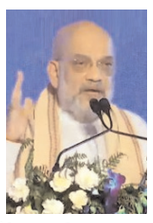

अब तक पंचायतों में जो रिजर्वेशन था, उसको भी बदलने का फैसला लिया गया है। पंचायतों में अब तक 8% रिजर्वेशन ग्रुप -ए के लिए था, उसके साथ 5% रिजर्वेशन ग्रुप बी के लिए भी आज से शुरू हो जाएगा।

-अमित शाह

जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में आतंकियों द्वारा किए गए कायरतापूर्ण हमले में वीर धरा राजस्थान के झुंझुनू के लाल विजेंद्र सिंह गुर्जर जी की शहादत पर भावभीनी श्रद्धांजलि। मेरी संवेदनाएं शहीद विजेंद्र सिंह गुर्जर जी के परिजनों के साथ हैं।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

अनमोल भेंट

एक बार तुलसीदास जी के पास एक गरीब युवक आया। वह प्रभु को कुछ विशेष भेंट देना चाहता था। मगर उसे संकोच था। उसके पास कीमती परिधान या सोना चांदी, रत्न की सामर्थ्य तो बिल्कुल भी नहीं थी। उसको पास बिठाकर तुलसीदास जी ने प्रेम से समझाया कि प्रभु को सबसे अनमोल भेंट है आपका सुर, आपका कंठा अर्थात आपका गायन। आपका भजन या जैसे भी आप उनको सुर में पुकारो। अगर आप गा सकते हो। 'जी मैं गा सकता हूं।' खुशी से ऐसा कहकर वह युवक गीत सुनाने लगा। उसने अनवरत कुछ स्वरचित गीत प्रभु के सामने सुनाये। परिणामस्वरूप वह युवक खुद ही आनंद से भर गया। गदगद होकर आंखों में आंसू भरकर प्रभु के द्वार से लौटा। मानो उसे प्रभु के सामीप्य का आभास हो गया हो।

सामयिक

चातुर्मास है संस्कृति की अमूल्य धरोहर

ललित गर्ग

मो. 9811051133

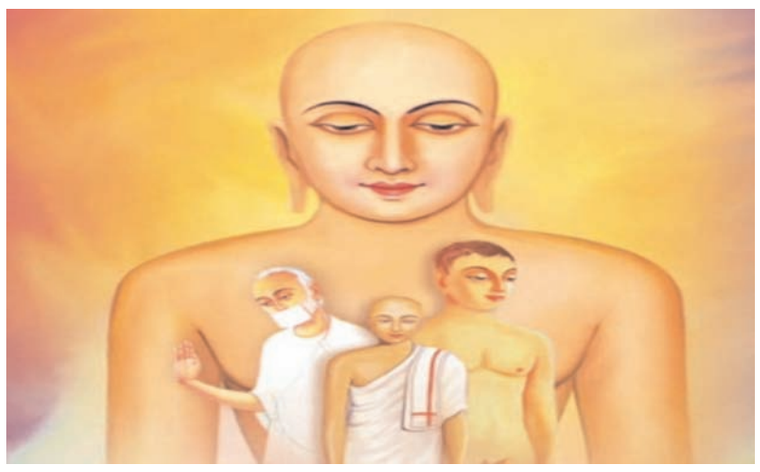

भारतीय धार्मिक और सांस्कृतिक परंपरा में चातुर्मास का विशेष महत्व है। विशेषकर वर्षाकालीन चातुर्मास का। हमारे यहां मुख्य रूप से तीन ऋतुएँ होती हैं- ग्रीष्म, वर्षा और शरद। वर्ष के बारह महीनों को इनमें बाँट दें, तो प्रत्येक ऋतु चार-चार महीने की हो जाती है। वर्षा ऋतु के चार महीनों के लिए 'चातुर्मास' शब्द का प्रयोग होता है। चार माह की यह अवधि साधना-काल होता है, जिसमें आत्मावलोकन एवं आत्मशुद्धि की एक ही स्थान पर रहकर साधना की जाती है। हिन्दू धर्म और विशेषतः जैन धर्म में इन चार महीने सावन, भाद्रपद, आश्विन और कार्तिक में उपवास, व्रत और जप-तप का विशेष महत्व होता है। हिन्दू धर्म में देवशयनी एकादशी से ही चातुर्मास की शुरुआत होती है जो कार्तिक के देव प्रबोधिनी एकादशी तक चलती है, जबकि जैन धर्म में आषाढ़ी गुरु पूर्णिमा से कार्तिक पूर्णिमा तक चलता है। इस समय में श्री हरि विष्णु योगनिद्रा में लीन रहते हैं इसलिए किसी भी शुभ कार्य को करने की मनाही होती है। इसी अवधि में ही आषाढ़ के महीने में भगवान विष्णु ने वामन रूप में अवतार लिया था और राजा बलि से तीन पग में सारी सृष्टी दान में ले ली थी। उन्होंने राजा बलि को उसके पाताल लोक की रक्षा करने का वचन दिया था। फलस्वरूप श्री हरि अपने समस्त स्वरूपों से राजा बलि के राज्य की पहरेदारी करते हैं। इस अवस्था में कहा जाता है कि भगवान विष्णु निद्रा में चले जाते हैं।

वास्तव में पुराने समय में वर्षाकाल पूरे समाज के लिए विश्राम काल बन जाता था किन्तु संन्यासियों, श्रावकों, भिक्षुओं आदि के संगठित संप्रदायों ने इसे साधना काल के रूप में विकसित किया। इसलिए वे निर्धारित नियमानुसार एक निश्चित तिथि को अपना वर्षावास या चातुर्मास शुरू करते थे और उसी तरह एक निश्चित तिथि को उसे समाप्त करते थे। जैन परम्परा में आषाढ़ी पूर्णिमा से कार्तिक पूर्णिमा तक का समय तथा वैदिक परम्परा में आषाढ़ से आसोज तक का समय चातुर्मास कहलाता है। धन-धान्य की अभिवृद्धि के कारण उपलब्धियों भरा यह समय स्वयं से स्वयं के साक्षात्कार, आत्म-वैभव को पाने एवं अध्यात्म की फसल उगाने की दृष्टि से भी सर्वोत्तम माना गया है। इसका एक कारण यह है कि निरंतर पदयात्रा करने वाले जैन साधु-संत भी इस समय एक जगह स्थिर प्रवास करते हैं। उनकी प्रेरणा से धर्म जागरणा में वृद्धि होती है। जन-जन को सुखी, शांत और पवित्र जीवन की कला का प्रशिक्षण मिलता है। गृहस्थ को उनके सान्निध्य में आत्म उपासना का भी अपूर्व अवसर उपलब्ध होता है।

यों तो हर व्यक्ति को जीने के लिये तीन सौ पैंसठ दिन हर वर्ष मिलते हैं, लेकिन उनमें वर्षावास की यह अवधि हमें जागते मन से जीने को प्रेरित करती है, इसके लिये जैन धर्म में विशेष आध्यात्मिक अनुष्ठान एवं उपक्रम किये जाते हैं। यह अवधि चरित्र निर्माण की चौकसी का आव्हान करती है ताकि कहीं कोई कदम गलत न उठ जाये। यह अवधि एक ऐसा मौसम और माहौल देती है जिसमें हम अपने मन को इतना मांज लेने को अग्रसर होते हैं कि समय का हर पल जागृति के साथ जीया जा सके। संतों के लिये यह अवधि ज्ञान-योग, ध्यान-योग और स्वाध्याय-योग के साथ आत्मा में अवस्थित होने का दुर्लभ अवसर है। वे इसका पूरा-पूरा लाभ लेने के लिये तत्पर होते हैं। वे चातुर्मास प्रवास में अध्यात्म की ऊंचाइयों का स्पर्श करते हैं, वे आधि, व्याधि, उपाधि की चिकित्सा कर समाधि तक पहुंचने की साधना करते हैं। वे आत्म-कल्याण ही नहीं पर-कल्याण के लिये भी उत्सुक होते हैं। यही कारण है कि श्रावक समाज भी उनसे नई जीवन दृष्टि प्राप्त करता है। स्वस्थ जीवनशैली का निर्धारण करता है।

हम सही अर्थों में जीना सीखें। औरों को समझना और सहना सीखें । जीवन मूल्यों की सुरक्षा के साथ सबका सम्मान करना भी जानें। इसी दृष्टि से वर्षाकाल है प्रशिक्षण का अनूठा अवसर। यह अवसर जहां प्रकृति के अणु-अणु में प्राणवत्ता का संचार करता है, भूगर्भगत उर्वरता की अनंत संभावनाओं को उभार देता है, वहां वह व्यक्ति और समाज की आध्यात्मिक चेतना को जगाने एवं संस्कार बीजों को बोने और उगाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह इंसान को इंसान बनाने एवं स्वस्थ जीवन-शैली की स्थापना का उपक्रम है। जिसमें संतों के साथ-साथ श्रावक भी अपने जीवन को उन्नत बनाने को प्रेरित होता है। संतों के अध्यात्म एवं शुद्धता से अनुप्राणित आभामंडल समूचे वातावरण को शांति, ज्योति और आनंद के परमाणुओं से भर देता है। इससे जीवन-रूपी सारे रास्ते उजालों से भर जाते हैं। लोक चेतना शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक तनावों से मुक्त हो जाती है। उसे द्वंद्व एवं दुविधाओं से त्राण मिलता है। भावनात्मक स्वास्थ्य उपलब्ध होता है।

संत धरती के कल्पवृक्ष होते हैं। संस्कृति के प्रतीक, परम्परा के संवाहक, जीवन कला के मर्मज्ञ और ज्ञान के रत्नदीप होते हैं। उनके सामीप्य में संस्कृति, परम्परा, इतिहास, धर्म और दर्शन का व्यवस्थित प्रशिक्षण लिया जा सकता है। उनका उपदेश किसी की ज्ञान चेतना को जगाता है तो किसी की विवेक चेतना को विकसित करता है। किसी को आत्महित में प्रवृत्त करता है तो किसी को चित्तगत संक्लेशों से निवृत्त करता है। ठीक इसी तरह श्रावक भी संवेदनाओं एवं करुणाशीलता के फैलाव के लिये जागरूक बनते हैं। यह इस अवधि और इसकी साधना का ही प्रभाव है कि श्रावक की संवेदनशीलता इतनी गहरी और पवित्र हो जाती है कि वह अपने सुख की खोज में किसी को सुख से वंचित नहीं करता। किसी के प्रति अन्याय, अनीति और अत्याचार नहीं होने देता। यहां तक की वह हरे-भरे वृक्षों को भी नहीं काटता और पर्यावरण को दूषित करने से भी वह बचता है।

चातुर्मास का महत्व शांति और सौहार्द की स्थापना के साथ-साथ भौतिक उपलब्धियों के लिये भी महत्वपूर्ण माना गया है। इतिहास में ऐसे अनेक प्रसंग हैं, जहां चातुर्मास या वर्षावास और उनमें संतों की गहन साधना से अनेक चमत्कार घटित हुए है। यह अवधि जिसमें कुछ व्यक्ति सामूहिक रूप से ध्यान, साधना, तपोयोग या मंत्र अनुष्ठान करना चाहें, उनके लिये उपहार की भांति है। जिस क्षेत्र की स्थिति विषम हो। जनता विग्रह, अशांति, अराजकता या अत्याचारी शासक की क्रूरता की शिकार हो, उस समस्या के समाधान हेतु शांति और समता के प्रतीक साधु-साध्वियों का चातुर्मास वहां करवाया जाकर परिवर्तन को घटित होते हुए देखा गया है। क्योंकि संत वस्तुतः वही होता है जो औरों को शांति प्रदान करे। बाहर-भीतर के वातावरण को शांति से भर दे। जो स्वयं शांत रस में सराबोर रहता है तथा औरों के लिए सदा शांति का अमृत छलकाता रहता है। एक तरह से अध्यात्म एवं पवित्र गुणों से किसी क्षेत्र और उसके लोगों को अभिस्नात करने के लिये चातुर्मास एक स्वर्णिम अवसर है।

वर्षावास जैन परम्परा में साधना का विशेष अवसर माना जाता है। इसलिए इस काल में वे आत्मा से परमात्मा की ओर, वासना से उपासना की ओर, अहं से अर्हम की ओर, आसक्ति से अनासक्ति की ओर, भोग से योग की ओर, हिंसा से अहिंसा की ओर, बाहर से भीतर की ओर आने का प्रयास करते हैं। वह क्षेत्र सौभाग्यशाली माना जाता है, जहां साधु-साध्वियों का चातुर्मास होता है। उनके अध्यात्म प्रवचन ज्ञान के स्रोत तथा जीवन के मंत्र सूत्र बन जाते हैं। उनके सान्निध्य का अर्थ है- बाहरी के साथ-साथ आंतरिक बदलाव घटित होना। जीवन को सकारात्मक दिशाएं देने के लिये चातुर्मास एक सशक्त माध्यम है। यह आत्म-निरीक्षण का अनुष्ठान है। यह महत्वाकांक्षाओं को थामता है। इन्द्रियों की आसक्ति को विवेक द्वारा समेटता है। मन की सतह पर जमी राग-द्वेष की दूषित परतों को उघाड़ता है।

करणीय और अकरणीय का ज्ञान देता है तभी जीवन की दिशायें बदलती है। चातुर्मास संस्कृति की एक अमूल्य धरोहर है। जरूरत है इस सांस्कृतिक परम्परा को अक्षुण्ण बनाने की। ऐसी परम्पराओं पर हमें गर्व और गौरव होना चाहिए कि जहां जीवन की हर सुबह सफलताओं की धूप बांटें और हर शाम चारित्र धर्म की आराधना के नये आयाम उद्घाटित करें। क्योंकि यही अहिंसा, शांति और सह-अस्तित्व की त्रिपथगा सत्यं, शिवं, सुंदरम का निनाद करती हुई समाज की उर्वरा में ज्योति की फसलें उगाती है।

नजरिया

ट्रंप पर हमला विश्व भर में बढ़ते राजनीतिक नफरत का द्योतक

अवधेश कुमार

मो.: 9811027205

सोलह जुलाई का दिन अमेरिका ही नहीं विश्व इतिहास के लिए अत्यंत भयावह और सबक लेने वाले दिन के रूप में दर्ज हो गया है। अमेरिका जैसे पुराने लोकतांत्रिक देश में रिपब्लिकन राष्ट्रपति उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप पर सार्वजनिक सभा में गोली चलाकर हत्या का प्रयास अचंभित करने वाली घटना है। पेनसिल्वेनिया के बटलर में डोनाल्ड ट्रंप अपना चुनावी रैली कर रहे थे। अचानक से गोली आई और ट्रंप के कान को छूते हुए निकल गई। वीडियो में साफ दिख रहा है कि ट्रंप रैली के दौरान भाषण दे रहे थे। उसी बीच गोलियां चलने लगती है। ट्रंप कहते हैं- ओह और अपना कान छूते हैं और उनका हाथ लहूलुहान दिखता है। वह तुरंत नीचे झुक जाते है, लेकिन गोलियां चलती रहती हैं। वे कुछ ही क्षण में फिर खड़े होते हैं, दोनों हाथों की मुट्ठियां भींचकर ऊपर उठाते हैं और लोग उनके पक्ष में नारे लगाते हैं । हमले के बाद ट्रंप ने कहा कि 'उन्हें ऐसा लगा था कि गोली उनके कान के आर-पार हो गई है।' हालांकि अमेरिकी इतिहास में इसके पूर्व दो बार राष्ट्रपति उम्मीदवारों पर हमले के रिकॉर्ड हैं।1912 में राष्ट्रपति थियोडोर रूजवेल्ट दोबारा राष्ट्रपति बनने के लिए चुनावी अभियान में लगे थे तब मिल्वौकी में एक भाषण के लिए जाते समय एक सैलून संचालक ने उन्हें गोली मार दी थी। वे बच गए थे। गोलीबारी के बावजूद उन्होंने भाषण दिया। 1972 में अलबामा के गवर्नर जॉर्ज वालेस को तीसरी बार राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव प्रचार के दौरान वाशिंगटन डीसी के बाहर गोली मार दी गई थी।हमले के कारण उनकी कमर से नीचे का हिस्सा लकवाग्रस्त हो गया था। लेकिन वर्तमान हमले के कारण परिस्थितियों और इसके पीछे की विचारधारा अलग है। जांचकर्ताओं का कहना है कि ट्रंप की हत्या की कोशिश की गई थी। साफ है कि डोनाल्ड ट्रंप बाल-बाल बचे हैं। इसे संयोग ही कहिए अन्यथा गोली अगर कान को छूकर निकलने की बजाय अंदर चली गई होती तो आज ट्रंप की जीवनलीला समाप्त हो चुकी होती। बताया गया है कि दोनों हमलावर सुरक्षाकर्मियों के गोली का शिकार हो चुके हैं। अमेरिका की संघीय जांच ब्यूरो और अन्य एजेंसियां मिलकर जांच कर रही है और हत्या के प्रयास के कारणों का पता आने वाले समय में चलेगा । जांच रिपोर्ट जो भी कहे आम अमेरिकी और इस समय अमेरिका सहित विश्व भर में राजनीति, एक्टिविज्म और नैरेटिव की प्रवृत्तियों पर दृष्टि रखने वाले समझ सकते हैं कि इसके कारण क्या होंगे।

डोनाल्ड ट्रंप पर हमले की सूचना आते ही पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने इसकी निंदा करते हुए अमेरिकी समाज में हिंसा के लिए कोई स्थान न होने का बयान दिया तथा अपील की कि हमें सभ्य तरीके से व्यवहार करना चाहिए। राष्ट्रपति जो बिडेन ने भी टेलीविजन प्रसारण में इसकी निंदा करते हुए यही कहा। समाचार के अनुसार बिडेन ने डोनाल्ड ट्रंप से फोन पर बातचीत भी की। किंतु सच यह भी है कि डेमोक्रेटिक सहित अमेरिका के बुद्धिजीवियों, मीडिया, एक्टिविस्ट, यहां तक कि प्रशासन के एक बहुत बड़े वर्ग ने डोनाल्ड ट्रंप और उनकी विचारधारा के सामान्य विरोध की जगह उसके प्रति जिस ढंग से घृणा पैदा किया है उसका असर अमेरिकी समाज पर है। ट्रंप को डेमोनाइज करते हुए उन्हें हिटलर से लेकर न जाने क्या-क्या उपाधि दी गई है। उन्हें लोकतंत्र ही नहीं, अमेरिकी समाज और एकता अखंडता के लिए सबसे बड़ा खतरा बता दिया गया है। अमेरिका में ऐसे निहित स्वार्थी समुदाय हैं जिनके अंदर यह भाव गहरा हुआ है कि अगर ट्रंप दोबारा राष्ट्रपति बना तो उनके लिए समस्याएं पैदा होंगी। बड़ी संख्या में गैर अमीर क्यों और अवैध और अप्रवासियों को लगता है कि उन्हें देश से जाना पड़ सकता है या फिर उन्हें यहां कैंपों और जेलों में रहने को विवश होना पड़ सकता है। संयोग देखिए की ट्रंप पर गोली उस समय चली जब वह एक चार्ट पढ़ते हुए बता रहे थे कि अमेरिकी सीमा पार करने वाले अवैध प्रवासियों की संख्या कितनी है। ट्रंप एवं उनके समर्थकों ने अमेरिका में अवैध रूप से आने और रहने को एक बड़ा ही मुद्दा बनाया है। इसका व्यापक समर्थन भी है।यह अनायास नहीं है कि ट्रंप को किसी तरह राष्ट्रपति की दौर से बाहर करने के हर प्रयास अमेरिका में हुए हैं , हो रहे हैं। न्यायालय द्वारा उन्हें सजा दिलाकर राष्ट्रपति चुनाव लड़ने से वंचित करने की लगातार कोशिशें जारी हैं। चूंकि अभी तक इसमें सफलता नहीं मिली है इसलिए संभव है कुछ व्यक्तियों या समूहों ने उन्हें रास्ते से ही हटा देने का निर्णय किया हो। इसलिए यह हमला अंतिम नहीं हो सकता।

अगर भारत की ओर लौटें तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जैसे हिंदुत्व विचारधारा को मानने वाले संगठनों को लेकर ऐसे ही वातावरण बनाने की कोशिश हुई है। ज्यादातर गैर भाजपायी राजनीतिक दलों के नेताओं, मीडिया के एक वर्ग, बुद्धिजीवी, एक्टिविस्ट ,थिंक टैंक आदि भारत में भी उनके प्रति ऐसी ही घृणा और विरोध पैदा करने और बढ़ा रहे हैं। इन संगठनों को फासिस्ट , अल्पसंख्यक विरोधी , हिंसक, भारतीय समाज की एकता का दुश्मन लोकतंत्र और खुले समाज से नफरत करने वाला और न जाने क्या-क्या कहा गया है। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने संसद में ही हिंदू और हिंदुत्व की बात करने वाले इन लोगों को हिंसा और नफरत का प्रतीक बताया। एक बड़े वर्ग के अंदर यह भावना पैदा कर दिया गया है कि अगर आपको स्वयं, देश तथा समाज को बचाना है तो इन सबको हर स्तर पर पराजित और कमजोर करना होगा। हम सोशल मीडिया से लेकर टीवी डिबेटों पर उनके विरोधियों की भाषा देख सकते हैं। पूरे देश के एक बड़े-बड़े के अंदर उनके विरुद्ध घृणा और हिंसा का भाव पैदा हुआ है। स्वाभाविक है इसकी प्रतिक्रिया में इनके कार्यकर्ताओं ,नेताओं और समर्थकों में भी गुस्सा पैदा हुआ है।

आप देखेंगे कि इस समय विश्व भर में इस तरह की प्रवृत्ति चिंताजनक रूप से उभरी है। पूर्व में क्रांति कर सत्ता बदलने के विचार-व्यवहार वाले कम्युनिस्टों की जगह एक ऐसे नव वाममार्गी विचारधारा पूरी दुनिया में दिख रही है जो राष्ट्रवाद, रिलिजन , मजहब और अपने देश की सभ्यता संस्कृति पर गर्व करने वाले संगठनों को लेकर घृणा - विरोध नैरेटिव और अन्य संसाधनों से पैदा कर रहा है। राजनीतिक पार्टियों के नाम या नेताओं की पृष्ठभूमि पर मत जाइए ,आपको अलग-अलग देशों में ऐसी प्रवृत्तियां दिखाई देंगी और उनके परिणाम भी सामने आए हैं। भारत और अमेरिका दो देश इस समय इन मामलों में सबसे आगे हैं। इन दोनों देशों के अंदर समाज में तनाव और गुस्सा धीरे-धीरे बढ़ाया गया है। यह अजीब किस्म का नया वामवाद या कम्युनिज्म है जिसकी अपनी विचारधारा स्पष्ट नहीं लेकिन ये उसी तरह की रेडिकल बातें करते हैं। हैरत की बात यह है कि इनमें विश्व के बड़े-बड़े पूंजीपति, कॉरपोरेट , एनजीओ और संस्थान शामिल हैं। अमेरिका में इनकी संख्या ज्यादा है इसलिए इसका प्रभाव वहां सर्वाधिक दिखा है। भारत में संघ, भाजपा या ऐसे कुछ संगठनों या धार्मिक संस्थाओं का जमीन तक विचारधारा के आधार पर संगठन है इस कारण यहां उस तरह का प्रभाव नहीं दिखता है । कई बार एक ही परिवार या रिश्तों के बीच दोनों विचारधाराओं के लोग हैं। इस तरह की पारिवारिक सामाजिक संरचना दूसरे देश में नहीं है। सच कह तो इस कारण हम बचे हुए हैं। बावजूद हम अपने देश में समय-समय पर हिंसा तनाव और संघर्ष देख रहे हैं तो सोचिए स्थिति कैसी है।

डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की कोशिश हम सबके लिए सबक होना चाहिए। राजनीति और सार्वजनिक जीवन में असहमति और मतभेद होना, विचारधाराओं पर एक दूसरे से संघर्ष भी स्वाभाविक है। किंतु राजनीति और सार्वजनिक जीवन में घृणा और दुश्मनी का कोई स्थान नहीं। हम एक दूसरे के प्रतिस्पर्धी होंगे , राजनीतिक और वैचारिक विरोधी होंगे किंतु दुश्मन नहीं जिसके विरुद्ध इतनी घृणा पैदा की जाए कि लोग हिंसा की सीमा तक पहुंच जाए। यह सभी पक्षों पर लागू होता है। हालांकि जैसा वातावरण भारत , अमेरिका सहित कई देशों में बन चुका है उसमें कोई तत्काल इससे सबक लेगा इसकी संभावना कम है। अगर सबक लेकर हम संभालने या संभालने की कोशिश करें तो उसमें भी सफलता की संभावना कमजोर हो गई है क्योंकि वातावरण काफी विषाक्त बन चुका है। इसलिए सबके सामने यही प्रश्न है कि स्थिति को हम कैसे संभाले।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

कान पर पट्टी बांधे ट्रंप का रिपब्लिकन सम्मेलन में किया गया जोरदार स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मिलवाउकी (अमेरिका)/भाषा। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने ऊपर हुए जानलेवा हमले के दो दिन बाद, 'रिपब्लिकन राष्ट्रीय सम्मेलन' (आरएनसी) में सोमवार रात अपने दाहिने कान पर सफेद पट्टी बांधकर पहुंचे। हमले के बाद पहली बार वह सार्वजनिक रूप से नजर आए।

ट्रंप ने सम्मेलन के शुरुआती दिन सोमवार को हजारों निर्वाचकों की तालियों की गड़गड़ाहट के बीच सम्मेलन कक्ष में प्रवेश किया और अमेरिका के विस्कॉन्सिन राज्य के शहर मिलवाउकी स्थित फिसर्व फोरम में आयोजित चार दिवसीय सम्मेलन के पहले दिन के अंत में अपनी मुट्ठी ऊपर उठाते हुए अपनी मजबूती का संकेत दिया।

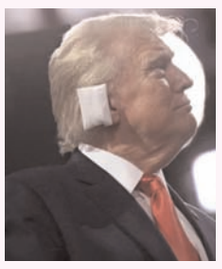

सम्मेलन हॉल में प्रवेश करने के बाद पूर्व राष्ट्रपति ने प्रमुख राजनीतिक सहयोगियों और अपनी तीन संतान सहित परिवार के सदस्यों का तो अभिवादन किया, लेकिन पत्नी मेलानिया का नहीं। ट्रंप (78) पर शनिवार को पेनसिल्वेनिया में एक रैली के दौरान 20 वर्षीय एक हमलावर ने कई गोलियां चलाईं। इस हमले में वह जख्मी हो गए और उनके दाहिने कान के ऊपरी हिस्से पर चोट आई।सम्मेलन के दौरान मौजूद लोगों ने तालियों के साथ एवं नारे लगाकर उनका जोरदार स्वागत किया और जब ली ग्रीनवुड ने 'गॉड ब्लेस द यूएसए' गाना गाया तो सभी भावुक हो गए।

'रिपब्लिकन राष्ट्रीय सम्मेलन' में पर्याप्त संख्या में 'डेलीगेट' (मतदाताओं के समूह का प्रतिनिधित्व करने वाला व्यक्ति) के वोट हासिल करने के बाद ट्रंप राष्ट्रपति पद के लिए रिपब्लिकन पार्टी के आधिकारिक उम्मीदवार बन गए हैं। इसके कुछ घंटों बाद वह इस सम्मेलन में उपस्थित हुए।

ट्रंप ने ओहायो के सीनेटर जे डी वेंस (39) को उपराष्ट्रपति पद के लिए अपना उम्मीदवार चुना है। सम्मेलन में ट्रंप के साथ वेंस भी थे।

ट्रंप अपनी उम्मीदवारी पर मुहर लगने से संबंधित भाषण बृहस्पतिवार को देंगे। रिपब्लिकन पार्टी के अध्यक्ष माइकल व्हाटली ने सोमवार को सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में कहा, ''हमें एक पार्टी के रूप में एकजुट होना चाहिए और हमें एक राष्ट्र के रूप में एकजुट होना चाहिए। हमें ट्रंप की तरह ही अपनी ताकत दिखानी होगी और देश को बेहतर भविष्य की ओर ले जाना होगा।''

दौरा

नई दिल्ली में मंगलवार को केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान भारत रत्न सी. सुब्रमण्यम कन्वेंशन सेंटर, एनएएससी कॉम्प्लेक्स में एक प्रदर्शनी का दौरा करते हुए।

फिल्म 'ननद भौजाई' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा की जानीमानी अभिनेत्री काजल राघवानी और अभिनेता जय यादव की पारिवारिक फिल्म ननद भौजाई का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म ननद भौजाई का ट्रेलर इंटर 10 रंगीला के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल से रिलीज हुआ है। इस फिल्म की निर्माता मोनिका सिंह, महेश उपाध्याय, विनय सिंह और निर्देशक मंजुल ठाकुर हैं। ट्रेलर में काजल राघवानी और जय यादव की शानदार केमिस्ट्री को देखा जा सकता है।

काजल राघवानी ने कहा कि फिल्म ननद भौजाई ,दर्शकों को एक नया अनुभव देने के साथ-साथ परिवार के साथ समय बिताने का एक बेहतरीन अवसर प्रदान करेगी। फिल्म की टीम को उम्मीद है कि ननद भौजाई दर्शकों के दिलों में एक खास जगह बनाएगी। इसलिए दर्शकों से अनुरोध है कि वे अपने नजदीकी सिनेमाघरों में इस फिल्म का आनंद लें और अपने परिवार और दोस्तों के साथ इस शानदार पारिवारिक ड्रामा का हिस्सा बनें।

एसआरवी फॉरेक्स प्राइवेट लिमिटेड प्रस्तुत फिल्म ननद भौजाई में काजल राघवानी, जय यादव, रंभा साहनी, निशा सिंह, प्रेम दुबे, रीना रानी, रितु चौहान, अशोक गुप्ता मुख्य भूमिका में हैं. कहानी अरविंद तिवारी की है और पटकथा मंजुल ठाकुर और अरविंद तिवारी ने लिखी है। संवाद अरविंद तिवारी का है, संगीतकार ओम झा और गीतकार अरबिंद तिवारी हैं। छायांकन सुनील अहीर और संकलन समीर शेख का है। नृत्य कानू मुखर्जी और सोनू प्रीतम, कला नजीर शेख का है।कार्यकारी निर्माता महेश उपाध्याय हैं।

इमरान खान की पार्टी पर प्रतिबंध हताशा में उठाया गया कदम : पाक मीडिया

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के प्रमुख अखबारों ने मंगलवार को जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पर सरकार द्वारा लगाए गए प्रतिबंध की आलोचना करते हुए इसे ''हताशा'' और ''भयवश लिया गया राजनीतिक फैसला'' करार दिया और इसे वापस लेने की मांग की।

'द डॉन', 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' और 'द न्यूज' जैसे प्रमुख अंग्रेजी अखबारों ने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ नीत सरकार द्वारा खान नीत पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी की बढ़ती ताकत का राजनीतिक तरीके से मुकाबला करने के बजाय कठोर कदम उठाने की आलोचना की। इन अखबारों में प्रकाशित संपादकीय में इस बात पर संदेह व्यक्त किया गया है कि उच्चतम न्यायालय सरकार के निर्णय का समर्थन करेगा। पाकिस्तान की सरकार ने विदेश से अवैध रूप से चंदा प्राप्त करने, दंगों और 'राष्ट्र विरोधी' गतिविधियों में कथित तौर पर संलिप्त होने का आरोप लगाते हुए पीटीआई पर प्रतिबंध लगाने का सोमवार को फैसला किया था। सरकार ने 71 वर्षीय खान और 74 वर्षीय पूर्व राष्ट्रपति आरिफ अल्वी एवं अन्य पर देशद्रोह का मुकदमा चलाने की भी चेतावनी दी है।

'द डॉन' ने 'पीटीआई पर प्रतिबंध' शीर्षक से प्रकाशित संपादकीय में नेशनल असेंबली एवं सूबों की विधानसभा में अल्पसंख्यकों और महिलाओं के लिए आरक्षित सीटों को लेकर उच्चतम न्यायालय की 13 सदस्यीय पीठ में 11 न्यायाधीशों के बहुमत से सुनाए गए फैसले का हवाला दिया, जिसमें 'पीटीआई' को राजनीतिक दल के रूप में मान्यता दी गई थी।

अखबार ने टिप्पणी की, ''सरकार का इतना हताश दिखना खतरनाक है। मुट्ठी जितनी कसी जाती है, सत्ता उतनी ही तेजी से हाथ से फिसलती है। सत्ताधारी दल, फिर से उभर रही 'पीटीआई' का मुकाबला करने के जुनून में, जमीनी हकीकत को स्वीकार करने और उसके अनुसार काम करने की जगह जानबूझकर या अनजाने में, देश को और भी अधिक अराजकता और अव्यवस्था की ओर धकेल रहे हैं।''

'भारत में करीब 16 लाख बच्चों ने 2023 में टीके की एक भी खुराक नहीं ली'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत में 2023 में करीब 16 लाख बच्चों को टीके की एक भी खुराक नहीं मिली। इस क्रम में भारत का स्थान दूसरा है जबकि पहले स्थान पर नाइजीरिया है जहां 21 लाख बच्चों को इसी अवधि के दौरान टीके की एक भी खुराक नहीं मिली।

भारत की रैंकिंग में हालांकि 2021 की तुलना में सुधार हुआ है, जब देश में वैश्विक स्तर पर सबसे अधिक 27.3 लाख बच्चों को टीके की एक भी खुराक नहीं मिली थी।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और यूनिसेफ द्वारा सोमवार को संयुक्त रूप से प्रकाशित आंकड़ों के अनुसार, 2023 में नाइजीरिया में शून्य खुराक वाले बच्चों की संख्या सबसे अधिक 21 लाख थी। भारत के बाद अन्य देश इथियोपिया, कांगो, सूडान और इंडोनेशिया हैं।

इस श्रेणी में शीर्ष 20 देशों में चीन 18वें स्थान पर है, जबकि पाकिस्तान 10वें स्थान पर है।

टीकाकरण एजेंडा 2030 (आईए2030) के संदर्भ में, 2021 में शून्य खुराक वाले बच्चों की संख्या के आधार पर, बीस देशों को प्राथमिकता दी गई।

दक्षिण एशिया क्षेत्र (रोसा) के लिए संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों की रिपोर्ट के अनुसार, शून्य खुराक वाले बच्चों की संख्या के आधार पर रैंक किए गए देशों में, 2021-2023 में भारत 1,592,000 शून्य खुराक वाले बच्चों के साथ आठ देशों में से पहले स्थान पर है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने मंगलवार को दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र के देशों से सभी स्तरों पर प्रयासों को और मजबूत करने का आह्वान किया, जिसमें उप-राष्ट्रीय स्तर पर अनुकूलित दृष्टिकोण अपनाया जाना चाहिए ताकि टीकाकरण से वंचित और कम टीकाकरण वाले बच्चों की पहचान की जा सके और उनका टीकाकरण किया जा सके।

दक्षिण पूर्व एशिया के लिये डब्ल्यूएचओ की क्षेत्रीय निदेशक साइमा वाजेद ने कहा, टीकाकरण से वंचित और कम टीकाकरण वाले बच्चों की बढ़ती संख्या के कारण तत्काल और त्वरित कार्रवाई की आवश्यकता है। हमें यह पता लगाने की आवश्यकता है कि ये बच्चे कहां और क्यों छूट गए हैं और जल्द से जल्द उन तक पहुंचने को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने कहा, किसी भी बच्चे को, ऐसी किसी भी जानलेवा या घातक बीमारी की चपेट में नहीं आना चाहिए जब उनसे बचने के लिए सुरक्षित और प्रभावी टीके मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र 2030 के टीकाकरण एजेंडे को प्राप्त करने की दिशा में पीछे है।

मीना कुमारी बायोपिक : 2025 में होगी शुरू

मुंबई/एजेन्सी

मीना कुमारी की बायोपिक का बेसब्री से इंतज़ार किया जा रहा है, जिसमें उनके जीवन और कला को दर्शाया जाएगा। रिपोर्ट्स में बताया गया था कि कृति सनोन को प्रतिष्ठित अभिनेत्री की भूमिका निभाने के लिए चुना गया था, जबकि फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा ड्डङ्कपहली बार निर्देशन में उतरेंगे। हालाँकि, योजनाओं में बदलाव हुआ है। बहुप्रतीक्षित परियोजना को एक बार फिर स्थगित कर दिया गया है, अब फिल्मांकन 2025 की शुरुआत में शुरू होने की उम्मीद है। मिड-डे की एक रिपोर्ट के अनुसार, यह पहली बार नहीं है जब बायोपिक में देरी हुई है। शुरुआत में इसे 2023 में शूट करने की योजना बनाई गई थी, लेकिन इसे एक साल के लिए टाल दिया गया। प्रोडक्शन से जुड़े सूत्रों ने बताया कि मनीष मल्होत्राड्डङ्कस्क्रिप्ट पर बारीकी से काम कर रहे हैं। उनका विजन एक ऐसी बायोपिक के लिए है जो मीना कुमारी के जीवन के सार को त्रुटिहीन सटीकता के साथ कैप्चर करे। एक सूत्र ने बताया, फिल्मांकन से पहले सामग्री को कई स्क्रिप्ट डॉक्टरों द्वारा जांचा जाएगा।

मीना कुमारी की कहानी हिंदी सिनेमा के स्वर्णिम युग से गहराई से जुड़ी हुई है। उस युग को फिर से बनाने के लिए सावधानीपूर्वक प्री-प्रोडक्शन प्लानिंग की आवश्यकता होती है। देरी से टीम को ऐतिहासिक विवरणों में गहराई से जाने और प्रामाणिकता सुनिश्चित करने के लिए अधिक समय मिलता है। इसमें सावधानीपूर्वक तैयार की गई वेशभूषा शामिल है - हिंदी सिनेमा की सबसे प्रसिद्ध अभिनेत्रियों में से एक को चित्रित करने में एक महत्वपूर्ण तत्व।

सूत्र ने आगे बताया, चूंकि यह एक पीरियड ड्रामा है, इसलिए उन्हें प्री-प्रोडक्शन के लिए पर्याप्त समय मिल जाता है। हिंदी सिनेमा के बेहतरीन अभिनेताओं में से एक की कहानी को बयां करते समय कॉस्ट्यूम्स भी एक बड़ा हिस्सा होते हैं और उनके पुनर्निर्माण में समय लगेगा। अभी तक बिना शीर्षक वाली यह फिल्म कृति सनोन के एक दशक लंबे करियर की पहली बायोपिक होने का वादा करती है।

इसका उद्देश्य मीना कुमारी को एक मार्मिक श्रद्धांजलि देना है, वह अभिनेत्री जिसने स्क्रीन पर दुख और लचीलेपन के अपने अविस्मरणीय चित्रण के लिए ट्रेजेडी क्वीन का नाम कमाया। कालातीत क्लासिक बैजू बावरा (1952) से लेकर साहिब बीबी और गुलाम (1962) और अविस्मरणीय पाकीज़ा (1972) तक, मीना कुमारी ने 1972 में अपने करियर के दुखद अंत से पहले भारतीय सिनेमा के कुछ सबसे अनमोल प्रदर्शन दिए। हालांकि आधिकारिक शीर्षक अभी भी गुप्त रखा गया है, लेकिन फिल्म के प्रति उत्सुकता बढ़ना निश्चित है क्योंकि हम 2025 की पहली छमाही में इसकी रिलीज के करीब पहुंच रहे हैं।

फिल्म 'उलझ' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री जाह्नवी कपूर की आने वाली फिल्म उलझ का ट्रेलर रिलीज हो गया है। जाह्नवी कपूर इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म उलझ को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म उलझ का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है।फिल्म उलझ में जाह्नवी कपूर के किरदार का नाम सुहाना भाटिया है, जो हार्वर्ड यूनिवर्सिटी से पढ़ी होती हैं और उन्हें सबसे युवा डिप्टी हाई कमिश्नर के रूप में नियुक्त किया जाता है। हालांकि, ट्रेलर में ये मुद्दा उठ जाता है कि उनके अपॉइंटमेंट में नेपोटिज्म का काफी बड़ा हाथ है, क्योंकि वह एक बड़े खानदान से ताल्लुक रखती हैं। ट्रेलर में दिखाया गया है कि कैसे लंदन की एंबेसी में एक खबरी होता है, जिसकी वजह से हर मौजूदा शख्स शक के घेरे में होता है। जिसके बाद जाह्नवी कपूर उस खबरी को ढूंढने के लिए एड़ी से चोटी का दम लगाती हैं और खुद ही उनके जाल में फंस जाती हैं। जंगली पिक्चर्स प्रस्तुत,सुधांशु सारिया के निर्देशन में बनी फिल्म उल्झ में जान्हवी कपूर के अलावा गुलशन देवैया, मियांग चेंग भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। यह फिल्म 02 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

राजनीति में शामिल होने पर पंकज त्रिपाठी ने कहा, 'मेरी एक्टिंग की दुकान अच्छी चल रही है'

मुंबई/एजेन्सी

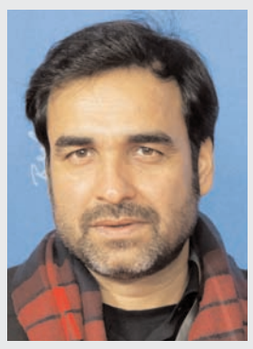

फेमस 'कालीन भैया' का किरदार निभाने वाले बेहतरीन सितारों में से एक पंकज त्रिपाठी ने राजनीति में आने के बारे में कहा कि उन्हें इसमें कोई दिलचस्पी नहीं है, क्योंकि उनकी एक्टिंग की दुकान अच्छी चल रही है। यह पूछे जाने पर कि क्या अभिनेता की राजनीति में शामिल होने में कोई दिलचस्पी है, पंकज ने आईएएनएस को बताया, नहीं, अभी तो फिलहाल एक्टिंग की दुकान अच्छी चल रही है। पंकज इस समय 'मिर्जापुर 3' में दिखाई दे रहे हैं। यह पार्ट इस बार गुड्डु और गोलू पर केंद्रित है, क्योंकि इसमें कालीन भैया के नेतृत्व में त्रिपाठियों का शासन पूर्वांचल में समाप्त होता दिख रहा है। हालांकि सिंहासन को पाने के लिए काफी लड़ाई और खून-खराबा होता है। पंकज ने इंटेंस सीन्स के बारे में कहा, मैंने सीजन नहीं देखा है। मैंने सिर्फ अपने सीन्स देखे हैं। कालीन भैया ने इस बार कोई हिंसा नहीं की है। तीसरे सीजन में पंकज त्रिपाठी की मनोरंजक उपस्थिति स्पष्ट रूप से गायब थी।

सैंतालीस वर्षीय स्टार ने कहा, ''मेरे कई दोस्तों ने कहा कि वे मुझे और देखना चाहते थे, और अंत में जब उन्होंने मुझे देखा तो वे संतुष्ट थे कि कालीन भैया वापस आ गए हैं। जब एक मजबूत किरदार कमजोर हो जाता है जैसा कि सीजन में दिखाया गया था, यही वह मोड़ है जहां जीवन में आप हमेशा ऊपर नहीं होते बल्कि नीचे भी देखते हैं।'' अपने आगामी काम के बारे में पंकज ने कहा कि उनकी पहली फिल्म 'स्त्री 2' 15 अगस्त को रिलीज होने वाली है। राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर अभिनीत यह फिल्म 2018 की फिल्म 'स्त्री' का सीक्वल है। इसके बाद पंकज अनुराग बसु की 'मेट्रो...इन दिनों' में नजर आएंगे।

सोशल मीडिया ने मुझे स्क्रीन से परे एक पहचान दी : आराधना शर्मा

मुंबई/एजेन्सी

टीवी शो 'सुहागन चुड़ैल' में भूमिका निभाने वाली एक्ट्रेस आराधना शर्मा ने कहा कि उन्हें अपनी जर्नी के बारे में अपने फैंस से जुड़ने के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करना पसंद है। सोशल मीडिया के महत्व के बारे में बात करते हुए आराधना ने कहा, सोशल मीडिया वह जगह है जहां मैं अपने प्रशंसकों से जुड़ती हूं, अपनी जर्नी के बारे में बात करती हूं। लेकिन यह एक ऐसा प्लेटफार्म है, जहां मैं सीमाएं भी निर्धारित करती हूं।

एक्ट्रेस ने कहा, मुझे अपने दर्शकों से जुड़ना पसंद है, लेकिन मैं प्रामाणिकता और सम्मान में विश्वास करती हूं। व्यूज के लिए सीमाएं पार करना मेरी नजर में ठीक नहीं है। मेरा कंटेंट मेरे सच्चे व्यक्तित्व को दर्शाता है और मैं ऐसी किसी भी चीज को नहीं करती जो मेरे मूल्यों या मेरे फॉलोअर्स के लिए मेरे सम्मान से समझौता करती हो। यह सब संतुलन के बारे में है। मैं जमीन से जुड़े रहते हुए स्पॉटलाइट का आनंद लेती हूं। आराधना ने इस प्लेटफार्म को गेम-चेंजर बताते हुए कहा, ''इसने मुझे स्क्रीन से परे एक पहचान दी है, जिससे मैं प्रशंसकों से जुड़ सकती हूं और अपने जीवन और व्यक्तित्व के उन पहलुओं को प्रदर्शित कर सकती हूं, जो शायद मेरी भूमिकाओं में हमेशा सामने नहीं आते।''एक्ट्रेस ने आगे कहा, ''व्यक्तिगत रूप से यह मेरे लिए डांस, फिटनेस और अन्य गतिविधियों जैसे अपने जुनून को अपने फैंस के साथ शेयर करने का एक माध्यम है। साथ ही यहां से मुझे काफी प्रेरणा भी मिलती है। मैंने इस मंच के माध्यम से बहुत से प्रतिभाशाली रचनाकारों और अच्छे लोगों की खोज की है।'' आराधना मानती हैं कि यह एक हद तक विश्वसनीय है लेकिन यह सफलता या प्रतिभा का एकमात्र पैमाना नहीं है। मेरे लिए मेरे दर्शकों के साथ मेरा जुड़ाव सबसे ज्यादा मायने रखता है।

'कल्कि 2898 एडी' की सफलता पर प्रभास ने जतायी खुशी

मुंबई/एजेन्सी

दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार प्रभास ने अपनी फिल्म कल्कि 2898 एडी की सफलता पर खुशी जतायी है। नाग अश्विन द्वारा निर्देशित, कल्कि 2898 एडी में अमिताभ बच्चन, कमल हसन, प्रभास, दीपिका पादुकोण और दिशा पाटनी सहित कई शानदार कलाकार हैं। वैजयंती मूवीज द्वारा निर्मित इस फिल्म ने वर्ल्डवाइड ग्रास 1000 करोड़ रूपये से अधिक की कमाई कर ली है।फिल्म की सफलता पर प्रभास ने एक वीडियो के जरिए रिएक्शन दिया है। वैजयंती फिल्म्स ने एक्स हैंडल पर प्रभास का एक वीडियो शेयर किया है। क्लिप में प्रभास ने कहा, हाय, आप लोग कैसे हैं? मेरे फैंस, मुझे इतनी बड़ी हिट देने के लिए आपका शुक्रिया। आपको बहुत सारा धन्यवाद। आपके बिना मैं जीरो हूं। नाग अश्विन को भी धन्यवाद, जिन्होंने पांच साल कड़ी मेहनत के बाद इतनी बड़ी फिल्म बनाई।मुझे लगता है कि हमें प्रोड्यूसर्स को भी धन्यवाद करना चाहिए। जिस तरह से उन्होंने खर्च किया, उससे हम सभी टेंशन में थे। मैं उन्हें कहता था कि आप कुछ ज्यादा खर्च कर रहे हैं। वह कहते कि नहीं हम बड़ी हिट देने जा रहे हैं, परेशान मत हो। हम हाइएस्ट क्वालिटी फिल्म देनी चाहिए।

इसलिए मैं उन प्रोड्यूसर्स को धन्यवाद कहना चाहता हूं।नाग अश्विन ने हमें भारतीय सिनेमा के महान दिग्गजों के साथ काम करने का अवसर दिया है। अमिताभ सर और कमल सर, हम सब आपको देखकर बड़े हुए हैं और आपसे बहुत कुछ सीखा है। दीपिका को बहुत-बहुत धन्यवाद, सबसे खूबसूरत महिला और हमारे पास इससे भी बड़ा पार्ट 2 है, यह बात आप जानते हैं। फैंस को फिर से धन्यवाद।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | बुधवार | 17-07-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जीवन अनिश्चितताओं से भरा लंबा यात्रा-पथ है। यहां किसी के जीवन में कुछ भी घटित हो सकता है। हमारे मन का सोचा हुआ सब सार्थक होगा, यह मानकर चलना बहुत बड़ी भूल है। इसीलिए अच्छे अवसरों का लाभ उठाने का भरपूर प्रयत्न करना चाहिये। जीवन की सफलता का यही मूलमंत्र है। अक्सर देखा जाता है कि लक्ष्मीदेवी तिलक करने द्वार पर आयी और मनुष्य मुंह धोने के लिए चला गया। जब वह वापस लौटा, तब तक लक्ष्मी विदा हो चुकी थी। नीति और धर्मशास्त्रों ने इसे निपट मूर्खता कहा है।

जन्मदिवस समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के बादलचंद शायरचंद चोरडिया स्कूल के प्रांगण मे तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री कुमारासामी कामराज का जन्म दिवस मनाया गया, जिसमें कक्षा 1 से 10 तक के छात्र छात्राओं ने बड़े उत्सवपूर्वक भाग लिया । छात्राओं ने चित्रकारी प्रतियोगिता एवं तमिल और अंग्रेजी में भाषण दिए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लायंस क्लब के इलांगोवीरप्पन, स्कूल के पत्रचारक अजय चोरडिया, सचिव सुमेरचंद चोरड़िया, प्रधानाचार्य मालिनी तथा शिक्षक तथा शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

समय-समय पर जाप करने से ऊर्जा बढ़ती है : युवाचार्य महेंद्रऋषि

एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर में धर्मसभा का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर में चातुर्मासार्थ विराजित श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्रऋषिजी महाराज ने मंगलवार को प्रवचन में शास्त्रों का हवाला देते हुए कहा कि जिस तरह जो व्यक्ति पढ़ता है, वह मूर्ख नहीं हो सकता और जो मूर्ख है, वह पढ़ नहीं सकता। जो व्यक्ति चुप है, वह किसी से लड़ता नहीं, और जो लड़ता है, वह चुप नहीं रह सकता। उसी तरह शास्त्रों में कहा गया है कि जो जाप करने वाला है, उसे पाप नहीं लगता है और जो पाप करे तो वह जाप नहीं कर सकता। प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में ऐसे अवसर उत्पन्न होते हैं जिनमें पोजीशन में गिरा सकते हैं। जाप करने से ऐसा नहीं हो सकता। इसी जाप को आगम की भाषा में स्वाध्याय कहा गया है।

उन्होंने कहा स्वाध्याय पांच प्रकार के होते हैं वाचना, पृच्छना, परिवर्तना, अनुप्रेक्षा और धर्मकथा। वाचना यानी गुरु की निश्रा में विधिवत अध्ययन करना। पृच्छना यानी सूत्र और उसके अर्थ का चिंतन करना। अज्ञात विषय की जानकारी या उत्पन्न संशय है तो पूछना। जो ज्ञान को सीखा, उस ज्ञान के संदर्भ में जिज्ञासा है तो वह पृच्छना कहलाता है। ज्ञान को स्थिर रखने के लिए बार-बार दोहराना, पुनरावृत्ति करना, परिवर्तना कहलाता है। किसी भी विषय को हमारी अपनी धारणा में सुरक्षित रखे, वह परिवर्तना है। जिस सूत्र पर वाचना ग्रहण की है, उस सूत्र पर तात्विक चिंतन करना अनुप्रेक्षा है।

उन्होंने कहा, पंच परमेष्ठि का पाठ आर्या छंद में हैं। इनको मूल रूप में गाने से गलती नहीं होती है। यह आचार्यों द्वारा आगमों से दिया गया अमृत कलश है। जाप को जीवन में अपनाकर समाधान पा सकते हैं। जाप मन में भी किया जा सकता है। यह एक ऐसा आलंबन है, चाहे सुख है, दुःख है, जाप कर सकते हैं। यह आपका रक्षा कवच है। समय-समय पर जाप करने से ऊर्जा बढ़ती है। जाप को बड़ी श्रद्धा से करना चाहिए। उन्होंने कहा जब भक्ति भी करनी है, मस्ती से करो। आपने पंच परमेष्ठि का स्मरण किया, वह ऊर्जा देने वाला है। इस मौके पर जलगांव से आए ताराबाई डाकलिया और मनीष लुंकड़ ने अपने विचार व्यक्त किए। कमल छल्लाणी ने सभा का संचालन किया।

चातुर्मास में हलूकर्मिता की दिशा में आगे बढ़े : साध्वी उदितयशा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गांधीनगर स्थित तेरापंथ भवन में साध्वीश्री उदितयशाजी के सान्निध्य में चातुर्मासिक मंगल प्रवेश के उपलक्ष्य में अभिनंदन समारोह आयोजित हुआ। कन्या मण्डल की बालिकाओं ने भाव विभोर करने वाली स्वागत गीतिका प्रस्तुत की। साध्वीश्री उदितयशाजी ने सबको प्रेरणा देते हुए कहा कि चातुर्मास के सारे कार्यक्रम इस तरह आयोजित होंगे कि हम और आप हलूकर्मिता(अहिंसा) की दिशा में आगे बढ़े। आगम की वाणी का रसास्वादन करते रहे। प्रोजेक्टर के माध्यम से साध्वीश्री के बेंगलूरु प्रवेश से लेकर चातुर्मासिक मंगल प्रवेश तक व साध्वी श्री उदितयशाजी के जीवन परिचय की प्रस्तुति दी। साध्वीश्री संगीतप्रभाजी ने सम्पूर्ण चातुर्मास में होने वाले संघीय एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम की रूपरेखा बताई ।

इस अवसर पर ज्ञानशाला से माणक संचेती, पूर्व सभाध्यक्ष बहादुर सेठिया, राजाजीनगर सभा मंत्री चंद्रेश मांडोत, आड़गुडी सभा अध्यक्षा स्वर्णमाला पोखरना ने भावाभिव्यक्ति दी। स्वाति भंडारी एवं ज्ञानशाला की सदस्याओं ने स्वागत गीतिका की प्रस्तुति दी। चाडवास महिला मंडल की पूर्व अध्यक्षा कमलेश चोरड़िया व साध्वी उदितयशाजी की संसार पक्षीय माताजीलीलाबाई सालेचा ने भी अपने भाव प्रकट किए। सभा अध्यक्ष पारसमल भंसाली, ट्रस्ट मंत्री गौतम डोसी एवम अनेक सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन सभा मंत्री विनोद छाजेड़ ने किया ।

इनरव्हील क्लब के सदस्यों ने गौशाला में की गौसेवा व किया वृक्षारोपण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयंबटूर। स्थानीय इनरव्हील क्लब ऑफ कोयंबटूर नॉर्थ की महिलाओं ने कोयंबटूर के मैलेरीपलायम में स्थित 25 एकड़ में फैले भगवान महावीर गौशाला में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। सुबह कोयंबटूर के सहायक कलेक्टर अंकित कुमार जैन ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर भगवान महावीर गौशाला में हर्बल पौधे लगाकर वृक्षारोपण का शुभारम्भ किया। इनर व्हील क्लब की अध्यक्ष परिधि खंडेलवाल, पूर्व अध्यक्ष सुमति, वृक्षारोपण परियोजना समन्वयक अलामेलु, गौशाला सचिव प्रसन्नकुमार कोठारी, सह कोषाध्यक्ष प्रकाश अडोनी, पतंजलि योग समिति मीडिया सेल के प्रदेश अध्यक्ष किशोर जैन, गौशाला कार्यकारिणी सदस्य संजय छाजेड, दिनेश नाहर, राजेश पोकरना सहित अन्य गणमान्य लोगों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

सहायक कलेक्टर अंकित कुमार जैन ने कहा कि आज के युग में भी पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्ष लगाने से बढ़कर कोई उत्तम कार्य नहीं है। वृक्ष सबके लाभ के लिए लगाया जाता है, वृक्ष लगाने से मनुष्य के साथ-साथ पशुओं को भी जीवन में तथा मृत्यु के बाद भी उत्तम लोक की प्राप्ति होती है। गाय को चारा खिलाना तथा भूमि दान करना वृक्ष दान के समान ही लाभकारी है।

गौशाला सचिव प्रशन कोठारी ने बताया कि इनर व्हील क्लब द्वारा आंवला, नीम, गोवा, आम, पीपल, चीकू व अन्य हर्बल पौधे लगाने से गौवंश को छाया मिलेगी और पर्यावरण में सुधार होगा। किशोर जैन ने कहा कि वृक्ष के बिना जीना वस्तुतः जड़ों के बिना जीने जैसा है। जो वृक्ष लगाता है, वह स्वयं के साथ-साथ दूसरों से भी प्रेम करता है। यदि हम जंगल खो देंगे, तो हम अपना एकमात्र शिक्षक भी खो देंगे। वृक्षों से चरित्र सीखें, जड़ों से मूल्य सीखें और पत्तों से परिवर्तन सीखें। इनर व्हील अध्यक्ष परिधि खंडेलवाल पेड़ों के बारे में प्रेरणादायक बातें कहीं। गौशाला और इनर व्हील की ओर से सहायक कलेक्टर का सम्मान किया गया। भगवान महावीर गौशाला के समिति सदस्य संजय छाजेड़ ने सभी का आभार व्यक्त किया। इससे पहले भगवान महावीर गौशाला की 1200 गायों को गुड़, केला, घी की रोटियां और हरा चारा वितरित किया गया। सहायक कलेक्टर ने परिसर में स्थित कृष्ण मंदिर और जैन मंदिर का भी अवलोकन किया।

विजयनगर अर्हम भवन कमें हुआ लोग्गस कल्प अनुष्ठान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ सभा विजयनगर के तत्वावधान में साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी के मंगल प्रवेश के पश्चात प्रथम दिवस में विजयनगर स्थित अर्हम् भवन में लोग्गस कल्प अनुष्ठान का आयोजन हुआ।

साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी ने श्रावक श्राविकाओं को लोगस्स का जीवन में महत्व के बारे में बताया। साध्वीश्री आस्थाप्रभाजी ने लोगस्स के एक-एक पद्य का चैतन्य केंद्रों पर ध्यान के साथ अनुष्ठान को सम्पन्न करवाया। साध्वीश्री की प्रेरणा से 108 से ज्यादा जोड़ों ने अनुष्ठान में भाग लिया। साध्वीश्री के मंगल पाठ के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

'सही हाथों में हो समाज की बागडोर'

मैसूरु/दक्षिण भारत। मंगलवार को नजरबाद स्थित गुरु भवन, शिक्षाकर सदन में मुम्बई, सूरत, अहमदाबाद, चेन्नई, बेंगलूरु आदि क्षेत्रों के हिंदी व गुजराती भाषी विभिन्न समाजों के पदाधिकारियों को मार्गदर्शन देते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि सामाजिक विकास के लिए योगदान तथा उसकी कार्ययोजनाओं और व्यवस्थाओं के संदर्भ में हम सबको पारसी, गुजराती व कच्छी समाज से सीखने की आवश्यकता है। इन समाजों ने डेढ़ सौ-दो सौ वर्ष पहले ही सामाजिक उन्नति के क्षेत्र में ठोस कार्ययोजनाओं को साकार कर लिया था। अपनी मातृभाषा, संस्कृति और परंपराओं की रक्षा के लिए सांस्कृतिक भवन, मातृभाषा की शिक्षा, शैक्षणिक सहायता, उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति, चिकित्सा के लिए सहयोग और छोटे-बड़े अस्पतालों के निर्माण, सामान्य वर्ग के लिए शहरों में होस्टल व सेनिटोरियम, सामूहिक विवाह, कुप्रथाओं के उन्मूलन हेतु चिंतन-मंथन, सामान्य वर्ग के जीवनयापन के लिए जरूरी सभी सुविधाएं, गृहउद्योग द्वारा रोजगार, विधवाओं को आर्थिक सहायता आदि अनेक-अनेक कार्य सुचारू रूप से संपादित होते थे।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वर ने कहा कि समाज की बागडोर सही हाथों में होनी चाहिये। टीम में दो-चार भी गलत लोगों के आ जाने से समाज के कार्य रुक जाते हैं और वक्त के साथ चलती सामाजिक विकास की धारा टूट जाती है। लोकतंत्र के नाम पर सामाजिक क्षेत्रों में प्रविष्ट हुई चुनाव की प्रक्रिया में आपसी विवाद, मनमुटाव और वैमनस्य बढ़ रहे हैं। समाज टूट रहे हैं। समाज का भविष्य संदिग्ध और अंधकारमय बन रहा है। हर समाज में आपसी गुटबाजी देखने को मिल रही है। यह किसी भी समाज के लिए शुभ लक्षण नहीं है। विवादों और प्रपंचों से दूर रहने की मानसिकता लेकर सज्जन लोग सामाजिक चुनावों में सम्मिलित ही नहीं होते। ऐसे में दुर्जनों को खुला मैदान मिल जाता है। वे मनमानियां करते हैं, जिनको धर्म और समाज की परंपराओं का ज्ञान व अनुभव नहीं हैं, ऐसे लोग पदों पर आसीन होकर हुकूमत चलाते हैं। यह सब सामाजिक-धार्मिक अवनति के संकेत हैं।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वर में आगे बताया कि समाज के सभी समर्थ लोगों का सामाजिक विकास के कार्यों में पूर्ण सहयोग रहता था। पदाधिकारीगण भी समर्पित भावों से अपना योगदान देते थे। उस जमाने में सबकी दृष्टि और मानसिकता में समाजहित ही सर्वोपरि रहता था। समाज भी अपने उन सुयोग्य पदाधिकारियों पर पूरा-पूरा विश्वास करता था। सम्मान की वह शालीन परंपरा थी। आज सब-कुछ तहस-नहस हो रहा है। आज आवश्यकता हैं उन पुरानी मर्यादाओं और व्यवस्थाओं को पुनः स्थापित करने की, तभी समाज समय के साथ विकास करते हुए सुरक्षित रह सकेंगे। गणि पद्मविमलसागरजी ने भी तलस्पर्शी मार्गदर्शन देते हुए बताया कि समाज को अपने घर की तरह समझना होता है, तभी समाजहित के कार्य किये जा सकते हैं। ओसवाल, पोरवाल और श्रीमाली समाजों और विविध क्षेत्रों के पदाधिकारियों ने अपने विचार व अनुभव प्रस्तुत किये। कल्याण मित्र वर्षावास समिति के अशोक दांतेवड़िया और कांतिलाल चौहान ने बताया कि लाभार्थी निर्मलादेवी अमृतलाल मांडोत परिवार के करकमलों से बुधवार को प्रातः शुभ मुहूर्त में मंत्र-विधानों के द्वारा मंगलमय लब्धि कुंभ की स्थापना होगी।

सीएसआईआर-केंद्रीय चमड़ा अनुसंधान संस्थान में आयोजित हुआ 'एक सप्ताह-एक विषय' विषयक समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री और सीएसआईआर के उपाध्यक्ष डॉ. जितेंद्र सिंह ने समान परियोजनाओं पर काम कर रहे सभी सीएसआईआर प्रयोगशालाओं के प्रयासों का एक समूह बनाने के लिए सीएसआईआर एक सप्ताह-एक थीम (ओडब्ल्यूओटी) अभियान की घोषणा की, जिससे सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी पैकेजों, स्वदेशी उत्पादों, प्रक्रियाओं और उपकरणों का प्रदर्शन संभव हो सके।

रसायन (चमड़ा सहित) और पेट्रोकेमिकल्स (सीएलपी) थीम के लिए ओडब्ल्यूओटी अभियान सीएसआईआर-सीएलआरआई के ट्रिपल हेलिक्स ऑडिटोरियम में हुआ। उद्घाटन सत्र का केंद्रीय विषय 'वर्ष 2030 तक चमड़े के लिए विशेष रसायनों में रुझान' था। स्वागत भाषण सीएलपी निदेशक और सीएसआईआर-सीएलआरआई के निदेशक डॉ. केजे श्रीराम ने दिया, जिसमें उन्होंने ओडब्ल्यूओटी अभियान के महत्व और संस्थान-उद्योग साझेदारी को मजबूत करने में इसकी भूमिका के बारे में बताया। उद्घाटन भाषण टाटा इंटरनेशनल लिमिटेड के बिजनेस हेड-फिनिश्ड लेदर पी राजशेखरन ने दिया। उन्होंने चमड़ा प्रसंस्करण की मूल्य श्रृंखला में तकनीकी प्रगति पर अपने विचार साझा किए और किफायती चमड़ा रसायनों पर प्रकाश डाला।

उद्घाटन सत्र के बाद 2030 तक चमड़े में विशेष रसायनों के रुझान पर एक आकर्षक और जानकारीपूर्ण पैनल चर्चा हुई। पैनल चर्चा के संचालक डॉ केजे श्रीराम थे। पैनलिस्ट थे नागराथिनम अन्नामलाई, क्षेत्रीय खंड प्रबंधक (एशिया), बीम हाउस-स्टाहल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, डॉ वी विजयभास्कर, उपाध्यक्ष और प्रमुख (आर एंड डी), बामर लॉरी एंड कंपनी लिमिटेड, पी गोपालकृष्णन, प्रबंध निदेशक, सेलम केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड, केएन मणिकम, क्षेत्रीय प्रबंधक (दक्षिण भारत), कलरटेक्स इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, एस गोवर्धनन, महाप्रबंधक, एटीसी केमिकल्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और सुशांत कुमार पटनायक, बिक्री प्रमुख - फिनिशिंग/बिक्री (दक्षिण), टीएफएल क्लिन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड रहे।

डॉ. वी. विजयभास्कर ने टैनिंग प्रक्रिया में क्रोम रिडक्शन के लिए पॉलीकार्बोक्सिलेट्स की तैनाती के बारे में बात की और चुनौतियों से निपटने के लिए सहयोग के महत्व पर जोर दिया। एस. गोवर्धनन ने स्वच्छ चमड़ा प्रसंस्करण और इस संबंध में उपलब्ध विभिन्न पर्यावरण-अनुकूल विकल्पों पर अपने विचार साझा किए। केएन मणिकम ने चमड़ा और चमड़ा अपशिष्ट के उपयोग के लिए उपलब्ध अवसरों और विभिन्न उद्योगों में चमड़ा रसायनों के वैकल्पिक उपयोगों को साझा किया। पी. गोपालकृष्णन ने चमड़ा उद्योग के सामने मौजूदा पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान करने के संभावित तरीकों पर ध्यान केंद्रित किया और गुणवत्ता नियंत्रण के लिए एआई-आधारित हस्तक्षेप और बाजार विश्लेषकों के महत्व के बारे में भी बात की। सुशांत कुमार पटनायक ने नवाचार, स्थिरता और सहयोग के दृष्टिकोण से चमड़ा रसायनों की भूमिका के बारे में बताया। श्री नागराथिनम अन्नामलाई ने प्रक्रिया अनुकूलन और इसके प्रभाव पर अंतर्दृष्टि दी और नए युग की तकनीकों को अपनाने के महत्व पर जोर दिया। पी. राजशेखरन ने सही मूल्य और सही विपणन को एकीकृत करते हुए चमड़ा उत्पादों को प्रीमियम सामान के रूप में स्थान देने के महत्व को सामने लाया। डॉ. के.जे. श्रीराम ने पैनल चर्चा से मुख्य बातों का सारांश दिया। इस कार्यक्रम में सीएसआईआर के निदेशक, सीएसआईआर की व्यावसायिक टीमें, वैज्ञानिक, उद्योग प्रतिनिधि, नीति निर्माता और छात्र मौजूद थे।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Aditya at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.